RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 59 ता. 25 अगस्त 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

इसरो का बड़ा मिशन! 2027 में लॉन्च होगा चंद्रयान-4

- चांद से मिट्टी और चट्टान के नमूने लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2027 में चंद्रयान-4 की लॉन्चिंग करेगा। यह बात इसरो चीफ डॉ. एस सोमनाथ ने नेशनल स्पेस डे (23 अगस्त) के मौके पर कही। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 का डिजाइन फाइनल हो चुका है। मिशन को सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। चंद्रयान-4 चांद की सतह से 3-5 किलो मिट्टी और चट्टान के नमूनों को पृथ्वी पर

लाएगा। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रोपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। इसरो चीफ ने यह भी बताया कि इंडियन स्पेस स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च किया जाएगा। जिसमें केवल रोबोट्स भेजे जाएंगे। इस स्टेशन में कुल पांच मॉड्यूल बारी-बारी से अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। चंद्रयान-4 मिशन कई स्टेज में पूरा होगा। चांद की कक्षा में पहुंचने के बाद मुख्य स्पेसक्राफ्ट से 2 मॉड्यूल अलग होकर सतह पर लैंड करेंगे।

बहुत हुआ अंग्रेजी लिबास, अब तो लाओ देसी पोशाक

दीक्षांत समारोहों में ड्रेस कोड पर मोदी सरकार का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने एम्स समेत अन्य शीर्ष संस्थानों को दीक्षांत समारोहों में भारतीय परिधान अपनाने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी चिकित्सा शिक्षण संस्थानों को निर्देश जारी किया है कि वे अपने दीक्षांत समारोहों में ब्रिटिश काल से चले आ रहे काली टोपी और काले लिबास का उपयोग न करें।

माना जा रहा है कि मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेखांकित पंच प्रण संकल्पों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश काल से जुड़ी विरासत को छोड़ना और उनकी जगह भारतीय परंपराओं को अपनाना है। 23 अगस्त को लिखे पत्र में मंत्रालय ने कहा है कि दीक्षांत समारोह के दौरान काली टोपी और काले लिबास पहनने की मौजूदा प्रथा ब्रिटिश काल में भारत में भी शुरू की गई थी, जो मध्य युग के दौरान यूरोप से आई है। मंत्रालय ने दीक्षांत समारोहों के लिए नए भारतीय पोशाक डिजाइन करने का आग्रह किया है।

साल के अंत तक शुरू होगी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। वंदे भारत ट्रेनों की सफलता के बाद रेलवे जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को लाने का प्लान बना रहा है। ऐसा बताया जा रहा है कि भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, वंदे भारत सीरीज का तीसरा वर्जन होगी। वंदे भारत सीरीज की ट्रेनों में चेयर-कार ट्रेन और उसके बाद गुजरात में संचालित होने वाली वंदे मेट्रो शामिल हैं। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेन्नई के महाप्रबंधक यू. सुब्बा राव के अनुसार पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अगले महीने तक बनकर तैयार हो जाएगी। मनी कंट्रोल से बातचीत में राव ने कहा कि पहली ट्रेन का निर्माण भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के बेंगलुरु संयंत्र से 20 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। राव

ने कहा, बीईएमएल कोचों का एकीकरण कर रहा है और हम उम्मीद करते हैं कि कोच 20 सितंबर तक चेन्नई के यार्ड पहुंच जाएंगे। इसके बाद हम रेक निर्माण, अंतिम परीक्षण और कमीशनिंग करेंगे, जिसमें लगभग 15-20 दिन लगेंगे। इसके बाद इसे मुख्य लाइन परीक्षणों से गुजरना होगा, जिसमें दो महीने का समय लगेगा। इसमें लखनऊ स्थित रेलवे डिजाइन और

रेलवे ने दी गुड न्यूज,यूरोपीय मानकों पर आधारित है यह ट्रेन

मानक संगठन के तहत ऑसिलेशन परीक्षण भी शामिल होगा। हाई स्पीड टेस्ट के लिए ट्रायल रन उत्तर पश्चिम रेलवे क्षेत्र में किए जाएंगे। मई 2023 में आईसीएफ चेन्नई ने बीईएमएल लिमिटेड के साथ 16-कार वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट के 10 रेक के डिजाइन और निर्माण के लिए एक आदेश दिया था। यह ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने में सक्षम होंगी। राव ने कहा,यह पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है, इसलिए इसे पूरा करने में थोड़ा अधिक समय लग रहा है। यह यूरोपीय मानकों को पूरा करेगी और दिसंबर 2024 तक सभी परीक्षण और ट्रायल रन के बाद परिचालन में आ जाएगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ भारतीय रेलवे रात की यात्रा पर अपने यात्रियों को यूरोप के नाइटजेट स्लीपर ट्रेनों के समान विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने बताया कि रात में जब लाइट्स बंद होंगी तब यात्रियों के वॉशरूम जाने के लिए सीढ़ी के नीचे एलईडी स्ट्रिप्स होंगी। इसके अलावा ट्रेन परिचारकों के लिए अलग से बर्थ भी होंगे। 16-कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में कुल 823 बर्थ होंगी, जिनमें 11 3 एसी कोच (611 बर्थ), 4 2एसी कोच (188 बर्थ), और 1 1 एसी कोच (24 बर्थ) शामिल होंगे। इस ट्रेन का विकास बीईएमएल और हैदराबाद स्थित मेधा सर्वो ड्राइव्स लिमिटेड ने किया है, जिसमें पोलैंड स्थित यूरोपीय रेल कंसल्टेंट,ईसी इंजीनियरिंग के डिजाइन इनपुट्स भी शामिल हैं।

भारत और अमेरिका के बीच हो गई बड़ी डील!

एक नए रक्षा समझौते पर दोनों देशों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ने एक नए रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से दोनों देशों को एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने के लिए रक्षा उपकरणों और पुर्जों की आपूर्ति में सहायता मिलेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस साझेदारी को वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक मजबूत ताकत बताया है। राजनाथ सिंह ने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा के दौरान सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई अरेंजमेंट (एसओएसए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान दोनों देशों ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य सहयोग बढ़ाने जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी चर्चा की। अधिकारियों के अनुसार, एसओएसए समझौते पर अमेरिका की ओर से बेस पॉलिसी विक रमदास और भारत की ओर से अपर सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) समीर कुमार ने हस्ताक्षर किए।

दोनों देशों को डिफेंस सेक्टर में होगा फायदा

यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल पुशन दास ने कहा, समझौते से दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधी उत्पादों के अधिग्रहण के रास्ते बढ़ेंगे। यह समझौता भले ही कानूनी रूप से बाध्यकारी न हो, लेकिन भारतीय और अमेरिकी कंपनियों के बीच क्रॉस इन्वेस्टमेंट और साझेदारी के नए रास्ते खोलेगा। भारत अब उन घरेलू कंपनियों की एक लिस्ट तैयार करेगा जो अमेरिका को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए स्वेच्छा से आगे आएंगी। इससे आने वाले सालों में भारतीय कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण व्यावसायिक अवसर खुलने की संभावना है।

2000 पन्नों की भारी चार्जशीट, 150 गवाह

- रेप केस में अब बढ़ेंगी प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना पर लगे रेप और यौन शोषण के आरोपों के मामले में सीआईडी की स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम ने बेंगलुरु में चार्जशीट दायर की है। प्रज्वल पर रेप और उनके पिता और विधायक एचडी रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह मामला उनके घर पर काम करने वाली एक घरेलू सहायिका द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है। पीड़िता विधायक की पत्नी भावनी की रिश्तेदार भी हैं। उसने आरोप लगाया है कि उनके साथ कई बार यौन उत्पीड़न किया गया। एसआईटी बाप-बेटे से जुड़े चार मामलों की जांच कर रही है। एसआईटी ने 2,000 पन्नों की चार्जशीट में लगभग 150 गवाहों के बयान दर्ज हैं। चार्जशीट में घटनास्थल का निरीक्षण, जैविक, भौतिक, वैज्ञानिक, मोबाइल, डिजिटल और अन्य प्रासंगिक सबूत शामिल हैं। एसआईटी ने बताया कि चार्जशीट दाखिल करने से पहले विशेषज्ञों की राय ली गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के बेटे विधायक रेवन्ना पर आईपीसी की धारा 354 और 354 (ए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। जबकि उनके 33 वर्षीय बेटे प्रज्वल पर आईपीसी की धारा 376, 376 (2)(के), 354, 354(ए) और 354(बी) के तहत मामला दर्ज किया है।

सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर लगाई रोक

- कहा-इनसे इंसानों को खतरा, मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन भी तत्काल रोकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये आमतौर पर बुखार और सर्दी के अलावा पेन किलर, मल्टी-विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थीं। सरकार ने कहा कि इनके इस्तेमाल से इंसानों को खतरा होने की आशंका है। इसलिए देशभर में इन दवाओं के प्रोडक्शन, कंजम्पशन और डिस्ट्रीब्यूशन पर रोक रहेगी। सरकार ने ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिशों पर

यह आदेश जारी किया है। बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इन एफडीसी दवाओं में मौजूद इन्ग्रेडिएंट्स का कोई मेडिकल जस्टिफिकेशन नहीं है। एक ही गोली में एक से ज्यादा दवाओं को मिलाकर बनाई गई दवाएं फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स कहलाती हैं, इन दवाओं को कॉकटेल ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, एमाइलेज, प्रोटीएज, ग्लूकोएमाइलेज, पेक्टिनेज, अल्फा गैलेक्टोसिडेज, लैक्टेज, बीटा-ग्लूकोनेज, सेल्युलेस, लाइपेज, ब्रोमेलैन, जाइलेनस, हेमिकेल्यूलेस, माल्ट डायस्टेज, इनवर्टेज और पापेन के इस्तेमाल से इंसानों को खतरा होने की आशंका है।

असम के नगांव गैंगरेप केस के मुख्य आरोपी की मौत

सुबह साढ़े तीन बजे क्राइम सीन पर ले जाते वक्त तालाब में कूदा

दिसपुर (एजेंसी)। असम के नगांव में नाबालिग लड़की से रेप के मुख्य आरोपी की मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, वह आरोपी तफ्फजुल इस्लाम को शनिवार सुबह 3.30 बजे क्राइम सीन पर ले जा रही थी।

इसी बीच वह हिरासत से भागते हुए नगांव के ही धींग में तालाब में कूद गया। एक अधिकारी के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। पुलिस ने उसकी तलाशी के लिए तालाब में गोताखोर भेजे, करीब दो घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया। तफ्फजुल पर 14 साल की लड़की से रेप का आरोप था। पुलिस के मुताबिक गुरुवार शाम पीड़ित धींग में ट्यूशन से लौट रही थी। तीनों आरोपी मोटरसाइकिल पर आए और उसे पकड़ लिया। इस केस में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और दूसरे को हिरासत में लिया, जबकि तीसरे की तलाश

जारी है। आरोपी की मौत पर नागांव एसपी स्वप्ननील डेका ने कहा, 'उससे पूछताछ करने और अपराध स्थल पर ले जाने के बाद, उसने हमारी हिरासत से भागने का प्रयास किया।

देश का पहला हाईब्रिड रॉकेट हो गया लॉन्च

ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के रिसर्च में मिलेगी मदद

आरएचएमयूआई-1 रॉकेट को फिर से किया जा सकेगा यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपना पहला फिर से प्रयोग किए जाने वाले हाइब्रिड रॉकेट, रूमी-1 का शनिवार को सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण तमिलनाडु स्थित स्टार्ट-अप स्पेस जोन इंडिया की तरफ से मार्टिन ग्रुप के सहयोग से चेन्नई से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। रॉकेट को एक मोबाइल लॉन्चर का उपयोग करके लॉन्च किया गया। इसके साथ 50 सैटेलाइट उपग्रहों और तीन क्यूब उपग्रहों का पेलोड ले जाते हुए एक उपकक्षीय प्रक्षेपवक्र पर यात्रा की। स्पेस जोन इंडिया के संस्थापक और सीईओ आनंद मेगालिंगम के अनुसार, रॉकेट, जिसकी ऊंचाई 3.5 मीटर है, को लगभग 7.25 बजे लॉन्च किया गया था। यह मूल रूप से नियोजित 7 बजे के प्रक्षेपण समय से थोड़ा लेट हो गया था। मेगालिंगम ने बताया कि यह

एक साउंडिंग रॉकेट है। यह लगभग 35 किमी की ऊंचाई तक उड़ गया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम वहां है ताकि इसे हमारी योजना के अनुसार एकत्र कर सके (चूंकि यह एक फिर से प्रयोग किया जाने वाला रॉकेट है)। उन्होंने आगे लॉन्च के बारे में विस्तार से बताया। मेगालिंगम ने कहा कि 89 डिग्री झुकाव की तुलना में, हमने रॉकेट को तेज हवा और झोंकों के कारण 70 डिग्री झुकाव के साथ लॉन्च किया था। सैटेलाइट सेंटर के पूर्व निदेशक डॉ. मायल्स्वामी अन्नादुराई ने इस मिशन को लीड किया। अन्नादुरई स्पेस जोन के निर्माता आनंद मेगालिंगम को जरूरी निर्देश भी देते हैं। रॉकेट पूरी तरह से फायरवर्क से मुक्त है। इसमें कोई टीएनटी का उपयोग नहीं किया जाता है। इसमें एक हाइब्रिड मोटर है जो सामान्य फ्यूल और एक इलेक्ट्रॉनिक रूप से सक्रिय पैराशूट डिप्लोयर के जरिये संचालित होता है। रूमी-1 रॉकेट ने दक्षता बढ़ाने और ऑपरेशन लागत कम करने के लिए लिक्विड और सॉलिड फ्यूल प्रोपेलेंट के कॉम्बिनेशन का यूज किया।

बदलापुर कांड के दोषियों के साथ खड़ी है महाराष्ट्र सरकार

उद्धव ठाकरे ने लगाया बड़ा आरोप,शरद पवार का साइलेंट प्रोटेस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की ओर से महाराष्ट्र बंद के आह्वान को वापस लेने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि राज्य सरकार ठाणे के बदलापुर के एक स्कूल में चार वर्षीय दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय दोषियों के साथ खड़ी है। ठाकरे शनिवार को मुंबई में एक मौन विरोध प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। दूसरी तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने सांसद सुप्रिया सुले सहित अन्य एमवीए नेताओं के साथ पुणे में इसी तरह के विरोध का नेतृत्व किया। कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महायुति' सरकार को हटाना जरूरी है। ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ''यह दुख की बात

है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय वह उनके साथ खड़ी है।'' विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में 24 अगस्त को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया था। हालांकि, बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों और आम लोगों को 24 अगस्त या आगे की किसी तारीख पर प्रस्तावित महाराष्ट्र बंद का आह्वान करने से रोक दिया था। ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से 'बहन सुरक्षित तो घर सुरक्षित' नारे के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाने के लिए कहा, जिसे बाद में बंबई उच्च न्यायालय में पेश किया जाएगा। ठाकरे ने कहा, ''अदालत ने हमारा बंद रोक दिया, लेकिन हमारी आवाज नहीं दबाई जा सकती।'' उधर, एनसीपी (सपा), कांग्रेस और एमवीए के कई नेताओं ने बंबई हाईकोर्ट के फैसले पर असहमति व्यक्त की, लेकिन कहा कि वे अदालत के आदेशों का सम्मान करते हैं।

भारत चाहे तो रूस और यूक्रेन जंग बहुत जल्द रुक सकती है:जेलेन्स्की

- कहा-अगर भारत रूस से तेल नहीं खरीदे तो पुतिन सीजफायर के लिए मजबूर होंगे

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर भारत और वहां के लोग रूस के प्रति अपना रवैया बदल लें तो यह जंग खत्म हो सकती है। पुतिन खुद ही यह फैसला लेंगे। भारत का रूस की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है। शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा, हमने भारत के रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर चर्चा की। जंग की वजह से दुनिया में रूस पर ट्रेड से जुड़ी कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं लेकिन इस बीच भारत के दरवाजे खुले हैं। अगर भारत रूस से तेल आयात करना बंद कर देगा तो यह पुतिन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

आरोपी संजय की मां का दावा उसे फंसाया... सास ने कहा फांसी पर लटकाओ

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता में 31 साल की ट्रेनी पीजी डॉक्टर के रेप और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी संजय रॉय की मां ने आरोपी बेटे का बचाव किया है। मां ने कहा कि उनके बेटे को मामले में बलि के बकरे की तरह फंसाया जा रहा है। जबकि आरोपी संजय की सास ने कहा है कि इस जघन्य अपराध के लिए संजय को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। कुछ खबरों में कहा गया है कि रॉय ने चार बार शादी की, जबकि अन्य ने कहा कि वह पोर्न देखने का आदि था और अक्सर वेश्याओं के पास जाता था। आरोपी संजय की मां ने दावा किया कि उनका बेटा निर्दोष है और इशारा किया कि किसी ने मेरे बेटे को फंसाया है। आरोपी संजय की मां ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि बेटे को ऐसा करने के लिए किसने बहलायाज अगर किसी ने उसे फंसाया है, तब उस शख्स को दंडित किया जाए। इस बीच उसकी बड़ी बहन ने कहा है कि अगर वह दोषी साबित होता है, तब उस सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। एक बहन के रूप में, मुझे नहीं लगता कि रॉय ऐसा अपराध कर सकता है। वहीं डॉक्टर के शव के पास मिले सीसीटीवी फुटेज और ब्लूटूथ डिवाइस के आधार पर रॉय को गिरफ्तार किया गया। जिसे कॉलेज के सेमिनार हॉल में घुसते देखा गया था, जहां शव मिला था। पीड़िता के माता-पिता और उसके सहकर्मियों सहित कई लोगों का मानना है कि अपराध के असली गुनाहगारों को बचाने के लिए रॉय को बलि का बकरा बनाया जा सकता हैं। भवानीपुर में संजय के पड़ोस में रहने वाली कई महिलाओं के मुताबिक 33 साल का संजय रॉय एक एक अच्छा आदमी नहीं था। महिलाओं ने कहा कि रॉय एक 'बुरा आदमी' था। एक महिला ने कहा कि 'वह महिलाओं को घूरता था, हम अपने दरवाजे बंद कर लेते थे। जबकि सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक रॉय ने कथित तौर पर भयानक अपराध करने से पहले एक रेड-लाइट एरिया का दौरा किया था।

सड़क पर नोटों की गड्डी उड़ाने वाले यूट्यूबर पर एक्शन

हैदराबाद। सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में आजकल युवा क्या-क्या नहीं करते है। इन हरकतों से वे अक्सर पॉपुलर होते हैं, लेकिन इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। हैदराबाद में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां एक यूट्यूबर ने वायरल होने के लिए शहर की व्यस्त सड़क पर बाइक से नोटों की गड्डी उड़ा दी। इसके बाद ट्रैफिक पूरी तरह से ठप हो गया। लोग नोटों को इकट्ठा करने के लिए दौड़ पड़े, जिससे सड़क पर जाम के हालात बन गए। वायरल हो रहे वीडियो में यूट्यूबर हर्ष को एक शख्स की बाइक के पीछे बैठा हुआ देखा जा सकता है। इसके बाद भीड़भाड़ वाले इलाके में यूट्यूबर चलती बाइक से नोटों की गड्डी को हवा में उछाल देता है। वीडियो में देख सकते हैं कि यूट्यूबर के स्टंट से ट्रैफिक में अफरा-तफरी मच जाती है। नोट लूटने के चक्कर में लोग इधर-उधर दौड़ने लगते हैं। यूट्यूबर की इस हरकत से लोग हादसे का शिकार भी हो सकते है। वहीं दूसरी क्लिप में पावर हर्षा नामक यूट्यूबर को हैदराबाद की भीड़-भाड़ वाली जगह पर पैसे फेंकते भी देखा गया। इसकी वजह से वहां भी लोगों में भगदड़ मच गई। इसका वीडियो आने के बाद लोगों ने पुलिस से एक्शन की मांग की थी। अब खबर आ रही है पुलिस ने इनके खिलाफ एक्शन लिया है। पुलिस ने हर्षा को कुकटपल्ली इलाके में पैसे फेंकने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

कर्नाटक में दरिंदगी, नशीली चीज देकर किया रेप, सोशल मीडिया पर हुई थी दोस्ती

उडुपी। कर्नाटक के उडुपी में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां एक लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप किया गया। इस घटना के बारे में जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि अल्ताफ ने अपने दो दोस्तों की मदद से लड़की को नशीला पदार्थ दे दिया था। इसके बाद रेप किया। बाद में आरोपी लड़की को उसके घर के पास छोड़ने जा रहा था। फिलहाल पीड़िता की गवाही के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में परिवार का आरोप है कि 3 लोगों ने पीड़िता के साथ रेप किया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है। वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि अल्ताफ ने रेप किया और दो अन्य लोगों ने बीयर की बोतल और ड्रग्स लाने में मदद की, लेकिन वे रेप में शामिल नहीं थे। पुलिस जांच पड़ताल करने और पीड़िता के बयान दर्ज करने के बाद इसकी पुष्टि करेगी। जानकारी के अनुसार, यह घटना उडुपी के करकला की है। यहां पीड़ित लड़की की पहचान अल्ताफ नाम के युवक से इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। अल्ताफ ने लड़की को मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद वह कार में बैठाकर लड़की को ले गया और लड़की से रेप किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अल्ताफ लड़की को छोड़ने जा रहा था। उसी दौरान स्थानीय हिंदू कार्यकर्ताओं ने कार को रोक लिया। कार में लड़की नशे की हालत में थी। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने इस मामले की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने लड़की को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। जब लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया तो संदेह हुआ कि ये रेप का मामला हो सकता है। इसके बाद हिंदू कार्यकर्ता पुलिस थाने के बाहर इकट्ठा हो गए और मामले में कार्रवाई की मांग करने लगे। कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने पीड़िता के माता-पिता के बयान के आधार पर रेप का केस दर्ज कर लिया है।

काम पर लौटे डॉक्टर......फुल हो गई ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर भी पैक

नई दिल्ली। 11 दिनों तक दिल्ली में चली हड़ताल के बाद सरकारी अस्पतालों में इलाज शुरू हुआ। इस दौरान स्थिति में सुधार देखा गया। सिर्फ एम्स में लगभग शुक्रवार को 12 हजार मरीजों का इलाज केवल ओपीडी में हुआ। यह संख्या एक दिन पहले तक केवल 5590 ही थी। वहीं, आरएमएल अस्पताल में भी शुक्रवार को इलाज सामान्य हो गई। दिल्ली सरकार के एलएनजेपी अस्पताल में भी इलाज में सुधार हुआ। हालांकि आम दिनों की तुलना में यहां ओपीडी में कम मरीज पहुंचे। एम्स में शुक्रवार को ओपीडी में 11,948 मरीजों का रजिस्ट्रेशन हुआ। 877 मरीज भर्ती किए गए और 655 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी गई। वहीं, 212 मरीजों ने इमरजेंसी में विजिट किया। इस दौरान 11,747 सैंपल जांच के लिए लिए गए और रेडियोलॉजी जांच के लिए 2,098 मरीजों को डेट दी गई है। एम्स की मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. निरुपमा मादान ने कहा कि स्थिति नॉर्मल हो गई है। ओपीडी से लेकर ऑपरेशन थियेटर तक अपनी क्षमता के अनुसार चल रहे हैं। सभी ऑपरेशन थियेटर में सर्जरी की गईं। वहीं, एलएनजेपी अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि औसतन अस्पताल में रोजाना 6 हजार मरीज ओपीडी में आते हैं। स्ट्राइक के दौरान यह संख्या डेढ़ से दो हजार के बीच रह गई थी। लेकिन स्ट्राइक खत्म होते ही शुक्रवार को 4700 मरीज ओपीडी में पहुंचे। कुल 67 सर्जरी की गईं। इनमें से 29 मेजर सर्जरी की गईं। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक के दौरान रोजाना केवल चार से पांच सर्जरी ही हो पा रही थीं। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक के बाद अब सारे रेजिडेंट डॉक्टर्स काम पर लौट आए हैं। शुक्रवार को 24 डिलिवरी की गईं, जिनमें से 8 सिजेरियन भी हैं। उन्होंने कहा कि बाकी सुविधा नॉर्मल हो चुकी है।

मोदी सरकार के नए कानून का लाभ... परिवार के साथ दीवाली मना सकेंगे कई कैदी

-सुप्रीम कोर्ट ने बीएनएसएस धारा 479 लागू करने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 479 को पहले के समय से लागू करने का आदेश दिया है। इसके तहत जेल में बंद पहली बार अपराध करने वाले विचाराधीन कैदियों को रिहा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि उन्होंने कथित रूप से किए गए अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा का एक तिहाई हिस्सा काट लिया हो। भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता के साथ-साथ बीएनएसएस इस साल 1 जुलाई 2024 से लागू हुआ। मगर एएसजी ऐश्वर्या भाटी के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि लाभकारी प्रावधान सभी विचाराधीन कैदियों पर लागू होगा, चाहे उनकी गिरफ्तारी की तारीख कुछ भी हो और वे जेल में क्यों न गए हों। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने जेल अधीक्षकों को आदेश दिया कि वे उन पहली बार अपराध करने वाले कैदियों को जमानत देने के लिए कदम उठाएं, जो विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं और अधिकतम सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसतरह के कैदियों की रिहाई के लिए अदालत में आवेदन करने की प्रक्रिया दो महीने के भीतर पूरी की जाए, जो धारा 479 के तहत मानदंडों को पूरा करते हैं।

तेजस्वी यादव ने साथ सीएम नीतीश पर निशाना, बोले, थक चुके हैं मुख्यमंत्री, इनसे बिहार चलने वाला नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी में जुट गए हैं। इसी के साथ वह लगातार नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर भी हमलावर हैं। एक बार फिर से आज उन्होंने नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने साफ तौर पर कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार 15 सालों से है। 10 सालों से डबल इंजन की सरकार है। बावजूद इसके महंगाई के मामले में देश भर में नंबर वन पर बिहार है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश में सबसे अधिक गरीबी बिहार में ही है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अपराध में बिहार नंबर 1 है, ये आंकड़े हमारे नहीं हैं। यह स्पष्ट रूप से नीतीश कुमार की सरकार पर सवाल है। आंकड़े सार्वजनिक हो गए हैं, कोई कुछ भी कह सकता है लेकिन आंकड़ों को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने बार-बार कहा है कि इनसे बिहार चलने वाला नहीं है, मुख्यमंत्री थक चुके हैं और भाजपा के लोग सत्ता के भूखे हैं, उन्हें जनता से कोई सरोकार नहीं है।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने दावा किया था कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव की कुंडली में बिहार में सत्ता हासिल करना नहीं लिखा हुआ है।

जनता दल (यू) के पूर्व अध्यक्ष सिंह तेजस्वी यादव के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें राजद नेता ने कहा था कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बने रहने से विपक्षी दल की अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जीतने की संभावना अधिक होगी। सिंह ने यहां संवाददाताओं द्वारा तेजस्वी यादव कि उक्त टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ख्याली पुलाव पकाने दीजिए। वह ख्याली पुलाव ही पकाते रहते हैं। उनकी जन्म कुंडली में बिहार की सत्ता हासिल करना नहीं लिखा हुआ है।'

हिंदू भारत की ओर पलायन नहीं कर रहे, वे संकटग्रस्त बांग्लादेश में रहकर लड़ रहे : हिमंत

दिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि पड़ोसी बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता के बावजूद वहां के हिंदुओं ने भारत में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की है। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हिंदू बांग्लादेश में रह रहे हैं और लड़ रहे हैं। पिछले एक महीने में, एक भी हिंदू को भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते नहीं पकड़ा गया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देश के मुसलमान भारत के कपड़ा क्षेत्र में रोजगार तलाशने के लिए घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''पिछले एक महीने में 35 मुस्लिम घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है... वे प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जो लोग आ रहे हैं वे असम के लिए नहीं, बल्कि कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए बेंगलुरु, तमिलनाडु, कोयंबटूर जाने के लिए आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने अपने प्रधानमंत्री से बांग्लादेश सरकार पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाने का अनुरोध किया है।

चुनाव नहीं लड़ेंगे... महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस से हाथ मिलाने के सवाल पर ये क्या कह दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के लिए आमंत्रित किया, अगर वे उनकी बात मानें तो केंद्र शासित प्रदेश की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ें। श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में पीडीपी घोषणापत्र जारी करते हुए मुफ्ती ने कहा कि एनसी और कांग्रेस के बीच गठबंधन सीट बंटवारे के आधार पर हुआ है, न कि किसी एजेंडे पर। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी अगर केवल सीटों के बंटवारे पर बातचीत होती। गठबंधन और सीट शेयरिंग तो दूर की बात है। अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारे एजेंडे को अपनाने के लिए तैयार हैं तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। हम उनका अनुसरण करेंगे क्योंकि, मेरे लिए, कश्मीर की समस्या का समाधान किसी भी अन्य चीज़ से अधिक महत्वपूर्ण है। जब हमने पहले भी गठबंधन किया था, तो हमारे पास एक एजेंडा था, जब हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया, तो हमारे पास एक एजेंडा था जिस पर वे सहमत हुए। लेकिन एनसी और कांग्रेस के बीच गठबंधन एजेंडे में नहीं हो

रहा है. ये सीट शेयरिंग पर हो रहा है। हम ऐसा कोई गठबंधन नहीं करेंगे जिसमें सिर्फ सीट बंटवारे की बात हो. गठबंधन एजेंडे में होना चाहिए और हमारा एजेंडा जम्मू-कश्मीर की समस्या का समाधान है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हिंदू तीर्थ स्थल शारदा पीठ के लिए मार्ग खोलना चाहती है, और क्रॉस-एलओसी व्यापार की बहाली के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत का आह्वान किया, जिसे भारत ने 2019 से निलंबित कर दिया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने अपने व्यापार संबंधों को कम कर दिया है। 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और पीडीपी ने गठबंधन सरकार बनाई थी, जिसमें मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने थे। जनवरी 2016 में सईद की मृत्यु के बाद, राज्यपाल शासन की एक संक्षिप्त अवधि के बाद महबूबा मुफ्ती अपने पिता की उत्तराधिकारी बनीं।

सीएम योगी ने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर उठाए सवाल

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के गठबंधन पर की जमकर आलोचना करते हुए कहा है कि नफरत की फसल काटने वाली कांग्रेस व नेकां की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है। आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा वहां चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है। वहीं, सीएम योगी ने कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए उनसे कई सवाल भी पूछे।

मुझे एक बार मौका दें, फिर दिखाता हूं, महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था को लेकर राज ठाकरे ने कह दी बड़ी बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराधों की निंदा की और महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। ठाकरे ने कहा कि राज्य में अब कानून का डर नहीं है, अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह दिखाएंगे कि सरकार कैसे चलाई जाती है। उनकी यह टिप्पणी महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में दो किंडरगार्टन लड़कियों के यौन उत्पीड़न पर जनता के गुस्से के मद्देनजर आई है। बदलापुर में जो हुआ वह भयानक और दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी पार्टी की महिला पदाधिकारियों ने यह मुद्दा उठाया। लेकिन महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. राज ठाकरे ने नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, बलात्कार से लेकर दहेज और छेड़छाड़ तक की घटनाएं साल दर साल बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि 2023 में महाराष्ट्र में पुलिस के पास 7,000 से अधिक बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। दर्ज न होने वाले मामले इससे कहीं अधिक हैं। बीड, सांगली में महिला गन्ना श्रमिकों के गर्भाशय निकालने के मामले बड़े पैमाने पर देखे जा रहे हैं. और इतनी सारी घटनाओं के बावजूद कोई सख्त कानून नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध सिर्फ महायुथी सरकार के सत्ता में रहने के दौरान ही नहीं हो रहे हैं, बल्कि ये अत्याचार पिछली महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान भी हुए थे।

सम्राट चौधरी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए नेकां के साथ गठबंधन के लिए कांग्रेस की आलोचना की

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कश्मीर को कथित तौर पर भारत का हिस्सा नहीं मानने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के साथ गठबंधन किए जाने पर कांग्रेस की शनिवार को आलोचना की।

चौधरी ने कहा, कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। उसे यह बताना चाहिए कि क्या वह अनुच्छेद 370 पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के तर्क और कश्मीर के लिए अलग झंडे की वकालत से सहमत है?

उन्होंने कहा, चाणक्य द्वारा हज़ारों साल पहले की गई परिकल्पना के अनुसार नरेन्द्र मोदी सरकार अखंड भारत को प्राप्त करने का प्रयास कर रही है तो वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंधों की मांग कर रही है यहां तक कि नियंत्रण रेखा के माध्यम से भी यह संबंध कायम किए जाएं। यह हमारे इस रुख के खिलाफ है कि पूरा कश्मीर भारत का हिस्सा है।

कांग्रेस को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस आरक्षण विरोधी है औरजम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए लागू किए गए आरक्षण का विधानसभा चुनाव में विरोध कर रही है। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह आरक्षण और पाकिस्तान से संबंधित मुद्दों पर नेकां के रुख के साथ अपना तारतम्य कैसे बैठा पाएगी?।

विनेश की हुडडा से मुलाकात... चर्चा शुरु कांग्रेस की किस सीट से उतरेगी फोगाट

गुरुग्राम (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की। जैसे ही उनकी मुलाकात की तस्वीर सामने आई, इसकी चर्चा तेज हो गई कि भारतीय पहलवान कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि वह आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं।

वहीं विनेश को लेकर हुड्डा ने एक बड़ा बयान दिया है, जो कि वर्तमान में हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। हुड्डा ने कहा कि यह एक काल्पनिक सवाल है। लेकिन एथलीट सिर्फ एक पार्टी के नहीं होते, वे पूरे देश के होते हैं। अगर कोई पार्टी में शामिल होता है, तब आपको पता चल जाएगा...हम जो भी पार्टी में शामिल होगा उसका स्वागत है...लेकिन यह एक काल्पनिक सवाल है। आज, उसे अन्याय का सामना करना पड़ा है। विनेश को राज्यसभा के लिए नामांकित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि उन्हें वहीं सम्मान दिया जाना चाहिए जो स्वर्ण पदक विजेता को दिया जाता है। सरकार ने उनके लिए रजत पदक सम्मान की घोषणा की। मैंने कहा था कि जैसे सचिन तेंदुलकर को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था, वैसे ही उन्हें भी मनोनीत किया जाना चाहिए। उनके साथ अन्याय हुआ, उन्हें न्याय नहीं मिला। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह विनेश फोगाट का निजी फैसला है। वह जो भी फैसला लें और जो भी उन्हें पसंद हो, मुझे इस पर कुछ नहीं कहना है।

हालांकि विनेश की हुड्डा से मुलाकात से पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं, लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 29 वर्षीय एथलीट का महिलाओं की 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में फाइनल तक पहुंचना और उसके बाद 100 ग्राम अधिक वजन के कारण स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले उनका अयोग्य होना पेरिस ओलंपिक 2024 की सबसे बड़ी कहानियों में से एक बन गया। जबकि विनेश ने खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) में फैसले को चुनौती दी थी, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

अब अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा भी ले सकेंगे बच्चा गोद, सरकार ने बदले नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो विधवा हैं, अविवाहित हैं और तलाकशुदा है वह भी बच्चा गोद लेना चाहते हैं लेकिन सरकार के कड़े नियमों के चलते ऐसा कर नहीं हो पाता है। अब घर में खुशियां लाने का रास्ता साफ हो गया है क्योंकि सरकार के नियमों में बदलाव कर दिए हैं जिससे सिंगल पैरेंट के लिए भी बच्चा गोल लेना आसान हो गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने नए नियम बनाया है, इसमें अब अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा या कानूनी रूप से अलग रह रहे 35 से 60 साल की उम्र के अकेले लोगों को भी बच्चे को गोद लेने की इजाजत दे दी है। इससे पहले 2016 में मॉडल फॉस्टर केयर गाइडलाइंस के तहत केवल विवाहित जोड़ों को ही बच्चा गोद लेने की इजाजत थी। हालांकि, अकेली महिला किसी भी जेंडर के बच्चे को गोद ले सकती है, लेकिन एक पुरुष केवल पुरुष बच्चे को ही गोद ले सकता है।

नए नियमों के मुताबिक व्यक्ति को शादीशुदा हो या नहीं, विधवा हो, तलाकशुदा या कानूनी रूप से अलग रह रहा हो, वह व्यक्ति बच्चा गोद ले सकता है। इसके अलावा, फॉस्टर पेरेंट अब दो साल के बजाय पांच साल तक बच्चे की देखभाल करने के बाद उसे गोद ले सकते हैं। फॉस्टरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक बच्चा टेम्परारी विस्तारित परिवार या असंबंधित व्यक्तियों के साथ रहता है।

नए नियम में अगर कोई विवाहित जोड़ा बच्चे को गोद लेना चाहता है, तो वैवाहिक जोड़े को कम से कम दो साल तक एक स्टेबल मैरिड लाइफ बितानी होगी। पहले, दंपतियों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं था। 2016 के गाइडलाइन्स को 2021 में किशोर न्याय और 2022 के किशोर न्याय मॉडल नियमों के अनुसार चेंज किया गया है। नए नियमों को जून में सभी राज्यों में जारी कर दिया गया था।

चाइल्ड अडॉप्शन रिसोर्स इंफॉर्मेशन एंड गाइडेंस सिस्टम से आप ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग पहले से ही संभावित दत्तक माता-पिता पंजीकरण के लिए कर रहे थे। 2024 के फॉस्टर केयर दिशा-निर्देशों में एक निर्दिष्ट ऑनलाइन पोर्टल का प्रावधान किया है जहां संभावित फॉस्टर पेरेंट्स जिला बाल संरक्षण इकाइयों द्वारा उनकी पहुंच के लिए अपने दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। भारत में, उन बच्चों को गोद लिया जा सकता है, जिनकी उम्र छह साल से ज्यादा हो। बच्चों की देखभाल कोई संस्थान कर रही हो। बच्चे के अभिभावक बच्चे को पालने में अयोग्य हों। स्पेशल चाइल्ड की श्रेणी में आने वाले नाबालिगों को भी गोद लिया जा सकता है।

थाईलैंड में चार्टर प्लेन क्रेश, पायलट समेत नौ की मौत, जांच शुरु

बैंकॉक। थाईलैंड में एक विमान क्रेश हो गया जिसमें पायलट समेत नौ लोगों की मौत हो गई है। विमान में पांच चीनी नागरिक भी सवार थे। विमान थाईलैंड जा रहा था। ये हादसा थाईलैंड के चाचोएंगसाओ में हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक थाई फ्लाइंग सर्विस सेसना कारवां सी208 सुवर्णभूमि हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही क्रेश हो गया। बता दें कि ये हादसा शुक्रवार दोपहर को हुआ। हालांकि तब मौतों की संख्या की पुष्टि नहीं की गई थी, देर रात सर्च अभियान के बाद आधिकारिक तौर पर पायलट समेत नौ लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। मरने वालों में झांग जिंगजिंग (12), झांग जिंग (43), तांग यू (42), यिन जिनफेंग (45) और यिन हैंग (13) हैं। थाई चालक दल के सदस्यों की पहचान फ्लाइट अटेंडेंट नेपाक जिरासिरी (35) और सिरियुपा अरुणाटिड (26) के रूप में हुई है। पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट अनुचा डेचापिराचोन (61) और सह-पायलट पोर्नसाक तोताब (30) थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 11 घंटे के तलाशी अभियान के बाद, विमान का मलबा कीचड़ में डूबे मैंग्रोव जंगल में पाया गया। बचावकर्मियों ने पानी निकालने के लिए पंपों का इस्तेमाल किया। तलाशी के दौरान कई मानव शरीर के अंग भी बरामद किए गए। गवर्नर चोनलाटी यांगट्रोंग ने कहा कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अधिकारी विमान दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि अधिकारियों को कई मानव अवशेष मिले हैं। कीचड़ भरे इलाके के चलते बचाव दल का काम कठिन हो गया। चार्टर विमान सीधे नीचे गिरा, इसलिए जमीन में 10 मीटर तक खुदाई करनी पड़ी।

कुआलालंपुर में गड्ढे में गिरी भारतीय महिला, अभी तक कोई अता-पता नहीं

कुआलालंपुर । मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक भारतीय महिला अचानक जमीन ढहने से बने गड्ढे में गिर गई। पुलिस ने बताया कि जमीन के नीचे बह रहे पानी में महिला के बह जाने की आशंका है। पुलिस प्रमुख सुलिज्मी अफेंडी सुलेमान ने बताया कि यह हादसा मलेशिया की राजधानी के डांग वांगी क्षेत्र में हुआ है। पुलिस अधिकारी ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि जब महिला रास्ते से गुजर रही थी, तब अचानक जमीन का एक हिस्सा ढह गया जिससे 26 फुट गहरा गड्ढा हो गया और वह उसमें गिर गई। उन्होंने बताया कि महिला भारत से मलेशिया घूमने के लिए आई थी और उसकी उम्र 48 वर्ष है। सुलेमान ने बताया कि बचावकर्मियों ने घटनास्थल के चारों ओर नाकेबंदी कर दी और गड्ढे से मलबा हटाने के लिए उत्खनन मशीन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन महिला का अभी कुछ पता नहीं चला है। पुलिस से महिला की स्थिति या घटना के कारण के बारे में पूछने पर उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार किया। कुआलालंपुर के पुलिस प्रमुख रुस्दी मोहम्मद ईसा ने कहा कि जमीन के नीचे पानी का बहाव तेज था, इसलिए ऐसी आशंका है कि महिला बह गई होगी। उन्होंने बताया कि महिला अपने पति और कई मित्रों के साथ करीब दो माह पहले छुट्टियां मनाने मलेशिया आई थी और वे शनिवार को घर लौटने वाले थे।

जर्मनी में चाकू से किए गए हमले में तीन लोगों की मौत

बर्लिन। पश्चिमी जर्मन शहर सोलिंगन में चाकू से किए गए हमले में करीब तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। यह हमला तब हुआ जब शहर की स्थापना की 650वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक उत्सव चल रहा था। फिलहाल बचावकर्मी घायलों की मदद कर रहे हैं। कथित तौर पर इस उत्सव में करीब 80,000 लोग मौजूद थे। स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 बजे एक व्यक्ति ने चाकू से कार्यक्रम में शामिल लोगों पर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने एक बड़ा अलर्ट और गोलीबारी का अलर्ट जारी किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

नेपाल बस हादसे में मरने वालों की संख्या 41 पहुंची, घायलों का इलाज जारी

काठमांडू, । यूपी के नेपाल जा रही एक बस पोखरा से काठमांडू के बीच तनहु जिले में नदी में गिर गई थी। इस हादसे में मरने वालों की 41 पहुंच गई है। मृतकों में बस ड्राइवर भी शामिल है। सभी पर्यटक महाराष्ट्र के बताए जा रहे हैं। गोरखपुर से बस में पर्यटक इलाहबाद से सवार हुए थे। बस चित्रकूट होते हुए नेपाल जा रही थी। डीएसपी दीपकुमार राय ने कहा कि यूपी की एक बस नदी में गिर गई है जिसमें कई लोगों के मरने की आशंका है। उन्होंने बताया कि ये हादसा तब हुआ जब बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। नेपाल के तनाहुन जिले में 50 लोगों से भरी बस मार्स्यांगडी नदी में गिर गई। भारतीय दूतावास के मुताबिक इस सड़क हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। भारतीय दूतावास ने यात्रियों की मौत पर शोक जताया है और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। दूतावास ने कहा कि इस दुर्घटना में घायल 16 यात्रियों को अस्पताल हवाई मार्ग से काठमांडू लाया गया है। भारतीय दूतावास नेपाल घायलों के इलाज और मृतकों के शवों को भारत भेजने के लिए स्थानीय अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने आपातकालीन राहत नंबर जारी किया है जो 24 घंटे चालू हैं। +977-9851107021, +977-9851316807, +977-9749833292 इन नंबरों पर परिजन अपने लोगों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में भीषण गर्मी से 3,000 से ज्यादा लोग बीमार

सोल । दक्षिण कोरिया में इनदिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मी के कारण बीमार होने वाले लोगों की संख्या 3,000 से अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के अनुसार सरकार ने इस वर्ष के लिए 20 मई से मामलों की निगरानी कर रही। 20 मई से अब तक गर्मी की वजह से बीमार होने वाले लोगों की संख्या 3,019 तक पहुंच गई है। वहीं इस साल अब तक देश में भीषण गर्मी के कारण 28 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले साल के मुकाबले इस साल रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। 2023 में 2,818 मामले दर्ज किए गए थे। 2018 में मरीजों की संख?या 4,526 दर्ज की गई थी। इस बीच, कोरियाई मौसम विज्ञान ने कहा है कि देश में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा और सितंबर की शुरुआत तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। सोल में पिछले 36 दिनों से रातें भी गर्म और उमस भरी रही हैं। लगातार 33 दिनों से हाल ऐसा ही है। यह 1907 के बाद से राजधानी में अब तक की सबसे गर्म रातें हैं। जब शाम 6-01 बजे से अगले दिन सुबह 9 बजे तक तापमान 25 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहता है। कोरिया मौसम विभाग (केएमए) ने कहा है कि तिब्बत और उत्तरी प्रशांत महासागर के उच्च दबाव वाले क्षेत्रों के कारण कोरिया में गर्मी लंबे समय तक बनी रहेगी। इस बीच, देश कोविड-19 से भी जूझ रहा है। गुरुवार को केडीसीए ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने वाले कोविड मरीजों की संख्या में भी कमी आई है।

जकार्ता में चुनाव आयोग मुख्यालय के बाहर देश के चुनाव आयोग पर दबाव डालते हुए विरोध प्रदर्शन और मार्च करते विश्वविद्यालय के छात्र।

कमला हैरिस ने परिवार का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम संग कनेक्शन, खुद किया खुलासा

वॉशिंगटन । कमला हैरिस महज 5 साल की थीं, तब वे जाम्बिया के लुसाका में हरियाली से घिरे एक बंगले में थीं। यह घर उनके नाना एक भारतीय सिविल सेवक पीवी गोपालन का था। वह उत्तर-औपनिवेशिक भारत में एक सिविल सेवक थे, जिन्हें रोडेशिया (अब जिम्बाब्वे) से शरणार्थियों की आमद का प्रबंधन करने के लिए जाम्बिया भेजा गया थाऔर उन्होंने हाल ही में ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की थी। गोपालन 1930 के दशक में भारत में ब्रिटिश शासन के अंत के समय भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए थे। वह सीधे कॉलेज से जुड़ गए थे। वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे। मेरे नाना भारत के मूल स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि बचपन की मेरी कुछ सबसे प्यारी यादें सेवानिवृत्त होने के बाद उनके साथ समुद्र तट पर घूमना और बेसेंट नगर में रहना था, जिसे उस समय मद्रास कहा जाता था। उसे इंडियाना के स्वतंत्रता सेनानियों की लंबी यात्राओं के बारे में कहानियाँ भी सुनाता था। हैरिस को नागरिक विचारधारा और सार्वजनिक सेवा की भावना अपने दादा से विरासत में मिली थी। उपराष्ट्रपति के रूप में भी, हैरिस ने जाम्बिया में अपने दादा के घर का दौरा किया था और साझा किया था कि कैसे उन्होंने उस घर की प्रत्येक स्मृति को संजोकर रखा है। 1998 में अपनी मृत्यु तक कमला हैरिस के लिए जीवन-परिभाषित संबंध की शुरुआत हुई। हैरिस और गोपालन ने मीलों दूर से एक-दूसरे को पत्र लिखे। वह हर दृष्टि से उनके मार्गदर्शक थे। पीवी गोपालन देखभाल करने वाले, जीवन से भरपूर और जनता की सेवा के लिए समर्पित थे।

बांग्लादेश की तर्ज पर धीरे-धीरे विद्रोह की आग सुलग रही इस मुस्लिम मुल्क में

ढाका (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश की स्थिति से हम सब परिचित हैं। चंद माह पहले तक यह मुल्क एक फलता-फूलता इकोनॉमी वाला देश था। यहां की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीन एक ओर चीन, दूसरी ओर भारत को साधते हुए देश की आर्थिक प्रगति को लेकर अरबों-खरबों डॉलर फंड ला रही थीं। लेकिन, अंदर ही अंदर उनके मुल्क में उनके खिलाफ की एक आग सुलग रही थी या सुलगाई जा रही थी। लेकिन, हसीना उस विद्रोही धुंए को नहीं समझ सकी। फिर अचानक मुल्क में उनके खिलाफ विद्रोह भड़का और उन्हें अपनी जान बचाकर भारत में शरण लेनी पड़ी।

खैर, आज हम बांग्लादेश की नहीं बल्कि भारत के एक और करीब मुस्लिम मुल्क की बात कर रहे हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक मुल्क है। देश ने रिकॉर्ड समय में बुलेट ट्रेन चला दी। यह एक अत्याधुनिक राजधानी बना रहा है। जिस पर अरबों डॉलर खर्च हो रहे है। कहा जा रहा है कि यह अत्याधुनिक राजधानी दुनिया के एक सबसे विकसित शहर लंदन को भी मात देने वाला होगा। जी, हां हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया की। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक मुल्क हैं। इसकी आबादी करीब 28 करोड़ है। यह मुल्क सैकड़ों द्वीपों का मुल्क है। यहां के कुछ इलाकों में हिंदू समुदाय की आबादी भी अच्छी है।

दरअसल, यह पूरा बवाल इंडोनेशिया के मौजूदा राष्ट्रपति जोको विडोडो और उनके बेटे से जुड़ा है। उनकी सरकार संसद के द्वारा देश के जनप्रतिनिधि कानून में संशोधन करना चाहती है। वहां चुनाव लड़ने की उम्र 30 साल है। दूसरी ओर राष्ट्रपति विडोडो अपने बेटे को राजनीति में लाना चाहते हैं। वे सुपुत्र को चुनाव लड़वाना चाहते हैं। लेकिन, उसकी उम्र अभी 29 साल है। इसके बाद वे संसद के जरिए इस जनप्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करना चाहते हैं। उनके इस प्रस्ताव को वहां की न्यायपालिका ने खारिज कर दिया है।

सरकार के कदम का विरोध करने के लिए बीते कुछ समय से लोग सड़कों पर उतरे हैं। यहां भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। जनता सरकार से सवाल कर रही है कि हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। इसके बाद आप अपनी मनमर्जी नहीं चला सकते। हालांकि अब इन विरोध प्रदर्शन के आगे सरकार झुक गई है। लेकिन, राष्ट्रपति विडोडो और उनकी सरकार के खिलाफ उठा विरोध का यह स्वर अन्य मुद्दों की ओर भी डायवर्ट हो सकता है। इसमें सबसे बड़ा मुद्दा नई राजधानी पर विवाद का है। विडोडो की योजना थी कि वह अपने 10 साल के शासन में इस राजधानी का निर्माण पूरा कर ले, लेकिन उनका शासन इस साल खत्म होने जा रहा है, लेकिन नई राजधानी बनाने करने का काम अधूरा पड़ा है। इस राजधानी के लिए बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों की जमीन ली गई है लेकिन उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला है। इस लेकर भी वहां की जनता में राष्ट्रपति के प्रति नाराजगी है।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर जेलेंस्की... महान देश की यात्रा कर खुशी होगी

कीव (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की के साथ व्यापक वार्ता की और यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए एक-दूसरे से बातचीत की जरूरत पर जोर दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इस पर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें महान देश की यात्रा करके खुशी होगी। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुष्टि की कि मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे प्रधानमंत्री ने 1992 के बाद पहली बार यूक्रेन का दौरा किया है। इसके बाद यह स्वाभाविक है कि वह निमंत्रण दें, जैसा कि उन्होंने इस मामले में किया।

जयशंकर ने कहा, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि अपनी सुविधा के अनुसार, राष्ट्रपति जेलेंस्की भारत आएंगे। संयुक्त बयान में कहा गया कि मोदी ने जेलेंस्की को अपनी सुविधा के अनुसार भारत आने का निमंत्रण दिया। पीएम मोदी के निमंत्रण पर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें भारत आकर खुशी होगी। उन्होंने कहा, हां (भारत की यात्रा की योजना), क्योंकि जब आप रणनीतिक साझेदारी शुरू करते हैं और आप कुछ बातचीत शुरू करते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको समय बर्बाद करने और बहुत देर तक विराम लेने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए मुझे लगता है कि फिर से मिलना अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा, मैंने आपके बड़े और महान देश के बारे में बहुत कुछ पढ़ा है। यह अफ़सोस की बात है, क्योंकि युद्ध के दौरान, मेरे पास देखने और देखने का समय नहीं था। मुझे आपके देश की बहुत जरूरत है। यह आपकी ऐतिहासिक पसंद के बारे में नहीं है, लेकिन कौन जानता है कि शायद आपका देश इस राजनयिक प्रभाव की कुंजी साबित हो सकता है।

वहीं पीएम मोदी और जेंलेस्की की मुलाकात पर जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को यूक्रेन में शांति बहाली के लिए 'हर संभव तरीके' से योगदान करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत विस्तृत, खुली और कई मायनों में रचनात्मक वार्ता थी। बातचीत कुछ हद तक सैन्य स्थिति, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चिंताओं और 'शांति के लिए सभी संभव तरीकों' पर केंद्रित थी।

डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति देखना चाहता है चीन

- अमेरिकी सांसद बोले- अमेरिकियों को आपस में लड़ाना चाहता है ड्रेगन

शिकागो (एजेंसी)। चीन चाहता है कि अमेरिका का राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप बने। चीन मोलभाव की मेज पर डोनाल्ड ट्रंप को देखना चाहते हैं क्योंकि वह अंतहीन व्यापारिक युद्ध शुरू करेंगे जिससे अमेरिकियों के लिए कीमतें बढ़ेंगी क्योंकि वह अमेरिका में श्रमिकों को प्रशिक्षित करने वाले कार्यक्रमों में कटौती करेंगे। इन सबसे बढ़कर ट्रंप अमेरिकियों को अमेरिकियों के खिलाफ खड़ा करेंगे और चीन यही चाहता है कि हम आपस में लड़ें। यह बात भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति ने कही।

इलिनोइस से सांसद कृष्णमूर्ति शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करने वाले एकमात्र भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि चीन के एक शीर्ष नेता ने एक पुस्तक लिखी है जिसका शीर्षक है 'अमेरिका अगेंस्ट अमेरिका' और उन्हें लगता है कि वे इस तरह जीत जाएंगे। अमेरिका को हराने का एकमात्र तरीका यही है कि हम खुद को हरा दें। उन्होंने कहा कि हमें हराने का यही तरीका है लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। कमला हैरिस ने हमसे क्या कहा है? जब हम मिलकर लड़ते हैं, तब जीतते हैं। वह जानती हैं कि जब हम एक देश के रूप में लड़ते हैं तो हम जीतते हैं। जब हम एक टीम के रूप में लड़ते हैं तो हम जीतते हैं।

पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा में एसपीजी ने की विशेष सुरक्षा व्यवस्था

कीव(एजेंसी)। पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ शांति को लेकर बात की। वहीं यह दौरा पीएम मोदी के लिए चुनौतीपूर्ण इसलिए भी था क्योंकि रूस से तेल आयात ना रोकने को लेकर यूक्रेन में भारत के प्रति एक असंतोष भी है। ऐसे में जब पीएम मोदी ओसिस के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे तो उनकी सुरक्षा बेहद कड़ी की गई थी। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने उनकी सुरक्षा की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था पहले से ही कर रखी थी। एसपीजी ने पीएम मोदी की सुरक्षा के लिए बुलेट रजिस्टेंट शील्ड लगाई थी।

पीएम मोदी ने वोलोदिमिर जेलेंस्की से कहा कि शांति के लिए बातचीत जरूरी है और रूस के साथ बैठकर बिना समय गवाए बातचीत होनी चाहिए। युद्ध को खत्म करने का रास्ता तलाशना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, हम तटस्थ नहीं हैं। शुरू से ही हमने पक्ष लिया है। हम बुद्ध की धरती से आते हैं और इसलिए युद्ध को स्थान नहीं देते। उन्होंने कहा कि भारत यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता करवाने में अपनी भूमिका अदा करने को तैयार है। इसके अलावा पीएम मोदी ने व्यक्तिगत रूप से भी हस्तक्षेप करने का वादा किया।

जानकारी के मुताबिक कीव दौरे के समय एसपीजी की टीम 24 घंटे अलर्ट थी। पीस पार्क में पीएम मोदी के टहलने के दौरान भी स्नाइपर्स की आशंका थी। ऐसे में एसपीजी की टीम अलर्ट पर थी। पूरे इलाके में जवानों को तैनात कर दिया गया था और बीआर शील्ड लगा दी गई थी। पीएम मोदी जब पोलैंड वापस जाने के लिए ट्रेन में सवार हो गए तब एसपीजी की टीम को भी राहत मिली। पोलैंड से ही वह भारत के लिए रवाना हो गए। रूस से भारत के रिश्ते को लेकर यूक्रेनियों में असंतोष की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले से ही थी। वहीं प्रधानमंत्री की टीम ने भारत विरोधी तत्वों की जानकारी भी एसपीजी को दे दी थी। ऐसे में पीएम मोदी की सुरक्षा के लिए डायरेक्टर एसपीजी आलोक शर्मा के नेतृत्व में कम से कम 60 एसपीजी कमांडो तैनात थे। भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात के दौरान भी यह बात सामने आई। कई लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी से बताया कि रूस और भारत के संबंधों को लेकर यूक्रेनियों में नाराजगी है और यह गुस्सा वे यहां रहने वाले भारतीयों के साथ जाहिर करते हैं।

अभी कुछ दिन और अंतरिक्ष में बिताना पड़ेंगे सुनीता विलियम्स को

ढाका (हिन्द दर्पण)। वाशिंगटन(ईएमएस)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुचविलमोर 6 जून से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। दुनिया जल्द ही पृथ्वी पर उनके वापस आने की उम्मीद कर रही है। हालांकि, नासा का कहना है कि उन्हें अगले कुछ दिन अभी भी अनिश्चितता में अंतरिक्ष में ही बिताने पड़ सकते हैं। जैसे ही स्टारलाइनर परिक्रमा करने वाली प्रयोगशाला के पास पहुंचा कि अंतरिक्ष यान को कई तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। कई थ्रस्टर्स फेल हो गए। प्रणोदन प्रणाली में हीलियम का रिसाव हो गया। इंजीनियर पांच में से चार खराब थ्रस्टर्स को ठीक करने में सफल रहे। आपको बता दें कि स्टारलाइनर पर 28 थ्रस्टर्स हैं। इसके बावजूद यह पृथ्वी पर सफल डी-ऑर्बिट को लेकर तैयार नहीं है। बोइंग ने स्टारलाइनर की सुरक्षा की घोषणा की, लेकिन नासा के अधिकारियों ने असहमति जताई। अगर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी शनिवार को स्टारलाइनर को यात्रा के लिए अनुपयुक्त मानती है तो इसे ऑर्बिटिंग लैब से बिना चालक दल के ही हटा दिया जाएगा।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि नासा शनिवार को सुनीता विलियम्स को बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान या स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल पर वापस लाने के बारे में अंतिम निर्णय ले सकता है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्टारलाइनर को पृथ्वी पर वापस लाने के बारे में नासा का निर्णय एजेंसी-स्तरीय समीक्षा के समापन पर 24 अगस्त (शनिवार) से पहले होने की उम्मीद नहीं है। विलियम्स और विलमोर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आठ दिनों का समय बिताने के लिए धरती से उड़ान भरे थे। उनका यह सफर अंतरिक्ष में दो महीने से अधिक समय तक बीत गया है। दोनों स्टारलाइनर पर सवार होने वाले पहले व्यक्ति बन गए। विलियम्स और विल्मोर फरवरी 2025 में स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल पर सवार होकर वापस आएंगे, क्योंकि नासा ने आईएसएस के लिए स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन के लॉन्च को 24 सितंबर तक के लिए टाल दिया है। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल 2020 से अपने फाल्कन 9 रॉकेट पर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। इसने अब तक अंतरिक्ष स्टेशन के लिए लगभग 12 उड़ानें भरी हैं। बोइंग ने अपने स्टारलाइनर कार्यक्रम में 1.5 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। कई सालों तक कई असफलताओं के बाद बोइंग ने 5 जून को अपनी पहली उड़ान शुरू की थी। स्पेसएक्स के साथ मिलकर, कंपनी ने 2014 में नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के साथ अंतरिक्ष स्टेशन से मिशनों को उड़ाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। 2019 में इसका पहला बिना चालक दल

वाला उड़ान मिशन योजना के अनुसार नहीं चला। मिशन 2022 में पूरा हुआ।

संपादकीय

यूक्रेन में प्रधानमंत्री

विश्व पटल पर सबको साथ लेकर चलने की भारत की प्राथमिकता एक बार फिर सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचकर जिस तरह से वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को गले लगाया है, उससे पूरी दुनिया में एक सकारात्मक संकेत जाएगा। विगत दो वर्ष में अनेक मौके आए हैं, जब भारत को रूस के पक्ष में दिखाने-बताने की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, भारत और रूस के संबंधों में जो प्रगाढ़ता रही है, उसे दुनिया का हर राजनयिक शायद समझ भी नहीं सकता। भारत के साथ रूस के संबंध केवल राजनीतिक-कूटनीतिक ही नहीं रहे हैं, बल्कि इन दोनों देशों का सांस्कृतिक-सामाजिक जुड़ाव भी रहा है। यह कहना भी संभवतः बहुत सामान्यीकरण करना होगा कि गुटनिरपेक्षता के दौर में भी हमें जब भी जरूरत पड़ी, रूस अक्सर हमारे साथ खड़ा हुआ। दरअसल, लोगों को यह समझना चाहिए कि संबंधों की प्रगाढ़ता के लंबे दौर में रूस और यूक्रेन एक ही सोवियत संघ के हिस्से थे। साल 1991 में जब सोवियत संघ 15 देशों में बंटने लगा, तब वास्तव में भारत अकेला ऐसा बड़ा देश था, जिसकी चुनौतियां बहुत बढ़ गईं। आज भी भारत की रूस के साथ नजदीकी मजबूत बनी हुई है, पर यूक्रेन भी हमारा मित्र है। नरेंद्र मोदी की यह ऐतिहासिक यूक्रेन यात्रा मानो एक भूल सुधार की तरह है। भारतीय प्रधानमंत्री लगातार रूस जाते रहे, लेकिन यूक्रेन को यह बात चुभती रही। बीती जुलाई में तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के बाद अपना दर्द सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दिया था। अब जब भारतीय प्रधानमंत्री ने कीव पहुंचकर यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया है, उनके कंधे पर कुछ पल हाथ रखा है, उससे बेशक यूक्रेन में लोगों को ठीक लगेगा। यूक्रेन भी इस बात को जानता है कि युद्ध में भारत उसकी वैसी मदद नहीं कर सकता, जैसी अमेरिका कर रहा है, पर प्रधानमंत्री की इस यात्रा से यूक्रेन का मनोबल जरूर बढ़ेगा। युद्ध के खिलाफ भारत की दलील के बारे में हर देश को पता है। युद्ध रोकने की नसीहत रूसी राष्ट्रपति के लिए भी थी और यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए भी है। भाव विभोर जेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया और दुनिया को बताया कि 'आज कीव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मैंने उन बच्चों की स्मृति का सम्मान किया, जिनकी जान रूसी हमले में गई है। हर देश के बच्चे सुरक्षा के हकदार हैं। हमें इसे मुमकिन बनाना होगा।' हालांकि, मेल-मुलाकात के ऐतिहासिक मौके के बावजूद यूक्रेन की तारीफ नहीं हो सकती। अगर रूस ने यूक्रेन को नुकसान पहुंचाया है, तो यूक्रेन ने भी रूस को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिलहाल युद्ध में यूक्रेन को कहीं से भी कमतर नहीं माना जाएगा। रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में उसने जो सैन्य कार्रवाई की है, उससे यह युद्ध और भड़क सकता है। जाहिर है, भारत को संतुलन साधकर चलना होगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा से पहले ही कहा था कि युद्ध के मैदान में किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता है। जितनी जल्दी हो सके शांति और स्थिरता की बहाली के लिए बातचीत और कूटनीति का सहारा लेना पड़ेगा। वाकई, युद्ध का रुकना जरूरी है, पर उससे पहले रूस के साथ खड़े चीन और यूक्रेन के साथ खड़े अमेरिका को समझाने का काम होना चाहिए। भारत और यूरोप के साथ ही अफ्रीका को भी मिलकर शांति की कोशिश करनी चाहिए।

आज का राशीफल

मेष	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।
मिथुन	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।
कर्क	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
तुला	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।
वृश्चिक	आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
धनु	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मकर	जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मीन	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत का क्या रोल?

-सत्येन्द्र रंजन-

> यह तो तथ्य है कि इस युद्ध के कारण अपने देशों में यूरोपीय शासकों की चुनौतियां लगातार बढ़ती गई हैं। उधर अमेरिका में वैसा ही मत विभाजन गजा मे जारी इजराइली नरसंहार ने पैदा किया है। पश्चिम के इन राजनीतिक संकटों को रूस अपने हित में मानता है। अच्छी बात है कि इस जटिल स्थिति का अहसास भारत की विदेश नीति के निर्माताओं को हुआ है और उन्होंने मोदी की यात्रा को लेकर अपेक्षाएं ना बढ़ाने की रणनीति अपनाई है

हकीकत यह है कि यूक्रेन यात्रा का एलान मोदी की रूस यात्रा पर पश्चिम में हुई तीखी प्रतिक्रिया की पृष्ठभूमि के बीच किया गया था। आरंभ में इसको लेकर अपेक्षाएं बढ़ाई भी गईं। अब उन्हें संभवतः इसलिए नियंत्रित को सोचा गया है, क्योंकि ये हकीकत सामने है कि इस यात्रा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह स्वागतयोग्य है कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन को लेकर उम्मीदों और अटकलों का बाजार ठंडा करने की कोशिश की है। 23 अगस्त को होने वाली मोदी की इस यात्रा की पुष्टि 19 अगस्त को की गई। उसी रोज भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया कि इस यात्रा का मकसद यूक्रेन और रूस के बीच प्रत्यक्ष मध्यस्थता करना नहीं है। वैसे इस बारे में भारत का कोई आधिकारिक बयान नहीं है। उधर पश्चिमी कूटनीतिज्ञों ने संभावना जताई है कि भारत दोनों देशों के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का माध्यम बन सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले कुछ मौकों पर यह कह चुके हैं कि भारत ने संवेदशवाहक की भूमिका निभाई है। काला सागर अनाज समझौते और जापोरिझिया परमाणु संयंत्र के मुद्दे पर ऐसा रोल भारत ने निभाया था। जयशंकर ने कहा था- 'हम वो देश हैं, जिसने रूसी नेताओं के साथ इस (यूक्रेन युद्ध) मुद्दे पर खुल कर और दो टूक बात की है। विभिन्न पहलुओं पर दूसरे देशों ने हमारा इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया है।' अब यह बात बहुत से लोगों को नागवार गुजर सकती है कि भारत की भूमिका विभिन्न देश आज एक संदेशवाहक के रूप में देखते हैं। इसलिए कि जो देश विश्व कूटनीति में अपनी खास आवाज और नजरिया रखते हैं, वे दूसरों के संदेशों को अन्य देशों तक नहीं पहुंचाते। उनके पास देने के लिए अपना संदेश होता है। वैसे भी जिन संदेशों को भारत ने पहुंचाया, आखिर उनसे हासिल क्या हुआ है? फिलस्तीन में गजा नरसंहार और यूक्रेन युद्ध आज दुनिया में दो सबसे बड़े मसले हैं। यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए कई हलकों से फॉर्मूले पेश किए गए हैं, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी है। बीते जून में स्विट्जरलैंड ने इस मुद्दे पर शांति सम्मेलन का आयोजन किया, मगर बात आगे नहीं बढ़ी, क्योंकि उसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इसके पहले एक बहुचर्चित फॉर्मूला चीन की तरफ से आया, जिसे यूक्रेन और रूस दोनों ने गंभीरता से लिया था। मगर चीन भी अपनी पहल में अब तक कामयाब नहीं हुआ है। दरअसल, किसी फॉर्मूले पर प्रगति की कोई संभावना नहीं है, जब तक अमेरिका और नाटो सबकी सुरक्षा को समान महत्त्व देने को तैयार नहीं होते हैं। यूक्रेन में युद्ध का बुनियादी कारण रूस की सीमा तक नाटो के विस्तार की अमेरिकी जिद है। रूस को घेरने की उसकी कोशिश में यूक्रेन मोहरा बना है। भारत या कोई अन्य देश इस विवाद के बीच तभी अपनी कोई सार्थक भूमिका बना सकता है, जब उसके पास इस समस्या की यथार्थवादी समझ हो और वह उस समझ को दो टूक कहने का साहस भी दिखाए। क्या पिछले ढाई साल में भारत ऐसा करता नजर आया है? जाहिर है, नहीं। इसके बदले प्रधानमंत्री ने कुछ जुमले जरूर बोले हैं। मसलन, यह कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' और 'आज के दौर में लड़ाई के मैदान पर हार-जीत तय नहीं हो सकती'। ये वाक्य भारत में सुर्खियां बनाने के लिहाज से चाहे जितने प्रभावी रहे हों, विश्व कूटनीति में इनका कोई महत्त्व नहीं है। इसीलिए मोदी की यूक्रेन यात्रा भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय संबंध के लिहाज से चाहे जितना अहम हो, रूस-यूक्रेन विवाद के संदर्भ में उससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। वैसे भी मोदी की यात्रा उस समय हो रही है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध में नई तेजी आ गई है। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके में घुसपैठ कर युद्ध के साये को और घना कर दिया है। यह चर्चा जोरों पर है कि रूस अब इस लड़ाई का स्वरूप 'विशेष सैनिक कार्रवाई' से बदल कर पूर्ण युद्ध का एलान कर सकता है। चूंकि कुर्स्क में हमला करने के लिए यूक्रेन ने नाटो से मिले हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल किया है, इसलिए आशंका है कि अब रूस खुल कर आसपास के पश्चिमी ठिकानों को भी निशाना बना सकता है। ऐसा हुआ, तो युद्ध सिर्फ दो देशों तक सिमटा नहीं रह जाएगा।

ऐसी खबरें हैं कि पिछले तीन दिन में रूस ने यूक्रेन में पश्चिमी देशों से मिली रक्षा प्रणालियों को खुल कर निशाना बनाया है। इनमें अमेरिका से मिले हिमार लॉन्चर भी हैं।

चूंकि यूक्रेन ने अपनी सीमित शक्ति कुर्स्क इलाके में लगा दी है, तो उसका लाभ उठाते हुए रूसी सेना दोनबास इलाके में पिछले एक हफ्ते में तेजी से आगे बढ़ी है और उसने कई अहम यूक्रेनी मोर्चे फतह कर लिए हैं। रूस की रणनीति से परिचित एक चीनी विशेषज्ञ ने अपने विश्लेषण में लिखा है कि रूसी सेना को संभवतः कुर्स्क क्षेत्र मुक्त कराने की कोई जल्दी नहीं है। बल्कि उसकी रणनीति होगी कि यूक्रेन अधिक से अधिक शक्ति वहां लगाए, ताकि दूसरे मोर्चों पर रूस का मकसद आसान होता जाए।

वैसे भी रूस की रणनीति यूक्रेन को जल्द से जल्द पराजित करने के बजाय इस टकराव को फ्रोजेन वार की स्थिति में रखने की रही है। वजह रूस का यह आकलन है कि उसकी लड़ाई सिर्फ यूक्रेन से नहीं, बल्कि पूरे नाटो से चल रही है। ऐसे में **war of attrition** की रणनीति के जरिए पश्चिमी देशों को इसमें उलझाए रखना और इस युद्ध के फलस्वरूप उन देशों में प्रतिकूल परिस्थितियों को और गंभीर बनाना रूस के दीर्घकालिक उद्देश्य के लिहाज से अधिक लाभदायक है। यह तो तथ्य है कि इस युद्ध के कारण अपने देशों में यूरोपीय शासकों की चुनौतियां लगातार बढ़ती गई हैं। उधर अमेरिका में वैसा ही मत विभाजन गजा मे जारी इजराइली नरसंहार ने पैदा किया है। पश्चिम के इन राजनीतिक संकटों को रूस अपने हित में मानता है। अच्छी बात है कि इस जटिल स्थिति का अहसास भारत की विदेश नीति के निर्माताओं को हुआ है और उन्होंने मोदी की यात्रा को लेकर अपेक्षाएं ना बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। इसके बावजूद हकीकत यह है कि यूक्रेन यात्रा का एलान मोदी की रूस यात्रा पर पश्चिम में हुई तीखी प्रतिक्रिया की पृष्ठभूमि के बीच किया गया था। आरंभ में इसको लेकर अपेक्षाएं बढ़ाई भी गईं। अब उन्हें संभवतः इसलिए नियंत्रित को सोचा गया है, क्योंकि ये हकीकत सामने है कि इस यात्रा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

गांव से बिजली की किल्लत कब दूर होगी?

-हेमा रावल-

पिछले कुछ दशकों में भारत बिजली उत्पादन के मामले में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है. कोयले से आगे बढ़कर अब यह हाइड्रो और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सबसे मजबूत देश बनकर उभरा है. लेकिन इसके बावजूद देश में बिजली की कटौती ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर समस्या है. यह न केवल जीवन की बुनियादी सुविधाओं को प्रभावित करती है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्र भी इससे प्रभावित होते हैं. हालांकि बिजली हमारे जीवन में पीने के साफ़ पानी की तरह बुनियादी आवश्यकताओं में एक है. लेकिन आज भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं जहां लोगों को या तो आज भी बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है या फिर नाममात्र की बिजली सप्लाई मिलती है. इन्हीं में एक है उत्तराखंड का पिंगलो गांव. जहां के निवासी बेहतर बिजली सुविधा से वंचित हैं. गर्मी हो या सर्दी, बिजली की समस्या इस पहाड़ी क्षेत्र में अक्सर देखने को मिल जाती है. कहने को पहाड़ी क्षेत्र ठंडा इलाका होता है. परंतु बिजली की आवश्यकता वहां भी पड़ती है. ऐसे में बिजली की कटौती स्थानीय निवासियों की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है. इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर नज़र आता है. इस संबंध में 18 वर्षीय स्कूली छात्रा कुमारी अंशिका कहती है कि 卐हमारे गांव मल्ला पिंगलो में आज भी लाइट की बहुत ज्यादा कमी है. अधिकतर समय गांव में बिजली नहीं रहती है. मौसम खराब होने पर तो एक एक सप्ताह तक भी कटी रहती है. हमें स्कूल से आने के बाद घर का काम करना पड़ता है और वह काम खत्म करते करते रात हो जाती है. जिसकी वजह से हमें स्कूल का काम रात में दीपक जला करना पड़ता है. हम रात में पढ़ाई भी नहीं कर पाते हैं. कई बार हमें स्कूल में जाकर ही होमवर्क करना पड़ता है. हमारे घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि हम अपने घर में इन्वर्टर ले सकें.卐 वहीं एक अन्य किशोरी 17 वर्षीय गुंजन बिष्ट कहती है कि 卐बिजली की समस्या ने न केवल हमारी शिक्षा बल्कि दैनिक जीवन को भी प्रभावित किया है. पिंगलो जंगल के करीब आबाद है. हर समय तेंदुआ और अन्य जंगली जानवरों के आतंक का खतरा बना रहता है. ऐसे में जब लाइट नहीं रहती है तो रात में बाहर आने जाने में बहुत ही दिक्कत होती है. कई बार तेंदुए ने अंधेरे का लाभ उठाकर गांव के बच्चों पर अटैक भी किया है. जिसकी वजह से हम रात में घर से बाहर अकेले नहीं निकल सकते हैं. पिंगलो राज्य के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक का एक गांव है. जिसकी आबादी लगभग 1152 है. यह ब्लॉक से करीब 11.6 किमी की दूरी पर बसा है. गांव में सामान्य जाति की करीब 85 प्रतिशत आबादी निवास करती है. दूर दराज़ गांव होने के कारण यह कई बुनियादी आवश्यकताओं से जूझ रहा है. ऐसे में बिजली की कटौती यहां के ग्रामीणों के जीवन में दोहरी समस्या खड़ी करता है. इस संबंध में गांव की 76 वर्षीय बुजुर्ग गोदा देवी कहती हैं कि 卐गांव में बिजली बहुत कम रहती है. जिसकी वजह से हम बुज़ुर्गों को बहुत परेशानी होती है. दिन तो किसी प्रकार निकल जाता है परंतु रात का निकलना मुश्किल हो जाता है. इतने घने जंगल से कब कौन सा जानवर निकल आए पता भी नहीं चलता है. यही कारण है कि अधिकतर ग्रामीण अंधेरा होने से पहले ही अपना सब काम खत्म कर लेते हैं.卐 वह बताती हैं कि हमारी रसोई घर के बाहर होती है. जहां बैठकर हम खाना बनाते हैं. ऐसे में रात में बिजली के बिना खाना बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है. इतना ही नहीं, फिर जानवरों को घास पानी देना, उनका गौशाला बंद करना आदि ऐसे बहुत से काम हैं जिनमें लाइट की बहुत ही आवश्यकता होती है.

एक और बुजुर्ग गावली देवी कहती हैं कि मेरे बेटे शहर में रहते हैं. घर में सिर्फ मैं और मेरी बहुएं रहती हैं. कभी बहुएं भी नहीं होती हैं तो मैं घर में अकेली रहती हूं. मुझे खाना भी बनाना पड़ता है और जानवरों को भी देखना पड़ता है. बिजली नहीं होने से रात में बहुत कठिनाइयां आती हैं. इस उम्र में अंधेरे में काम करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है. कभी-कभी हालात ऐसे हो जाते हैं कि अंधेरे में काम करना मुश्किल हो जाता है. बहुत मुश्किल से समय कटता है. शाम के बाद से पूरे गांव की गतिविधि ठप हो जाती है. लोगों को घर में रहने पर मजबूर होना पड़ जाता है. वह कहती हैं कि सबसे अधिक कठिनाई तीज-त्यौहारों के समय होती है. जब लोग देर रात तक उत्सव मनाना चाहते हैं लेकिन लाइट की कमी के कारण शाम के बाद ही गांव में सन्नाटा पसर जाता है. बारिश के इन दिनों में एक बार जब लाइट चली जाती है तो कितने दिनों बाद आएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती है. जिन घरों में नवजात बच्चे या कोई बीमार होता है, ऐसे समय में रात में बिजली की कितनी ज़रूरत होती है? और नहीं होने से कितनी कठिनाइयां आती हैं? इसका अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है. इस संबंध में पिंगलों के ग्राम प्रधान पान सिंह कहते हैं कि लाइट के बार बार कटने के पीछे कई कारण है. सबसे प्रमुख कारण इसका व्यवस्थित रूप से नहीं होना है. जगह-जगह बिजली के खंभे टूटे हुए हैं और तारें जमीन पर गिरी हुई हैं. जिससे किसी को भी करंट लगने का खतरा बना रहता है. बारिश के दिनों में टूटी हुई तार सबसे खतरनाक होती हैं. इस संबंध में मैंने पंचायत की ओर से बिजली विभाग के अधिकारियों और जेई के सामने भी गांव की समस्या को उठाया है और लिखित रूप से भी उनसे इस दिशा में जल्द काम करने का अनुरोध भी किया है. लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है. विभाग को इस संबंध में जल्द कार्रवाई करनी चाहिए ताकि पिंगलों के लोगों को भी निर्बाध रूप से बिजली मिल सके. केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की वेबसाइट पर 31 मई 2023 तक के आंकड़ों के मुताबिक, देश में फिलहाल करीब चार लाख 17 हजार 668 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है. वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के तहत देश के ग्रामीण इलाकों को रोशन करने का काम भी तेज़ी से किया जा रहा है. हालांकि बिजली की कमी एक गंभीर समस्या है जो सार्वजनिक जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है, खासकर देश के ग्रामीण इलाकों में इसकी कमी जनजीवन के साथ साथ सिंचाई व्यवस्था पर भी असर डालती है. इस पर काबू पाने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने और इससे जुड़ी योजनाओं को शीघ्र लागू करने की आवश्यकता है, ताकि पिंगलो जैसे देश के दूर दराज़ के गांवों को भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा मिलती रहे.

(लेखिका गरुड़, बागेश्वर उत्तराखंड है)

विचार मंथन

पड़ोसियों के बीच अकेला पड़ा भारत

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत अपने पड़ोसी देशों के बीच में अकेला खड़ा नजर आ रहा है। पड़ोस के देशों के साथ हमारे संबंधों में एक शून्यता पैदा हो गई है। किसी भी देश के लिए उसके पड़ोसियों से अच्छे संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर सुख- दुख में सबसे पहले पड़ोसी ही खड़ा होता है। कहा जाता है, पड़ोसी भाग्य से मिलते हैं। मित्र तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी को नहीं बनाया जा सकता है। भारत हमेशा गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थक रहा है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश की है। विभाजन में पाकिस्तान एक अलग देश बना था। उसके साथ हमारे संबंध हमेशा तनाव पूर्ण रहे। स्वतंत्रता के समय और उसके पश्चात 1965-1971 इत्यादि में हमें पाकिस्तान से बड़े युद्ध भी लड़ना पड़े हैं। 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ। जबकि इसके पहले भारत और चीनी भाई-भाई के नारे लगे थे। तमाम विसंगतियों के बाद भी भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से बेहतर रिस्ते बनाने की कोशिश की। जिसके कारण भारत अन्य देशों की तुलना में लगातार विकास करता रहा। लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन हमेशा विकासशील रीष्ट्रों मे सर्वश्रेष्ठ रहा है। 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने उसे पर अधिकार जमाने के स्थान पर मुजीबुर्र रहमान को वहां का शासक बनाया। बांग्लादेश को अपना एक अच्छा पड़ोसी बनाया। हमने अपनी सीमाओं को पाकिस्तान और चीन से सुरक्षित करने में कई सीमावर्ती राज्यों के साथ समझौते कर, उन्हें अपने साथ मिलाया। नेपाल, भूटान श्रीलंका,वर्मा इत्यादि देशों के साथ हमेशा हमारे सामाजिक आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते बेहतर रहे। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते तनाव पूर्ण होते चले गए। पड़ोसी देश चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के पड़ोसी देशों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाया। भारत की विदेश नीति खड़े-खड़े तमाशा देखने की रही। जिसके कारण हमारे पड़ोसी देशों के साथ वर्तमान में बहुत अच्छे संबंध नहीं है। भारत की तुलना में पड़ोसी देशों की चीन के साथ ज्यादा निकटता है। पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन ने भारत की सीमाओं पर नई चुनौती खड़ी कर दी है। 2009 के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध बहुत अच्छे थे। शेख हसीना की पढ़ाई लिखाई भारत में हुई थी। उन्होंने अपना कठिन समय भारत में काटा था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है, 2014 के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले बढ़े। भारत के अलावा चीन के साथ भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे रहे। पश्चिम बंगाल का रेडीमेड उद्योग सारे देश की सस्ते रेडीमेड कपड़ों की जरूरत को पूरा करता रहा है। उस ओर भारत सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने ध्यान नहीं दिया। बांग्लादेश ने रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में विशेष रूप से ध्यान दिया। चीन के बाद बांग्लादेश सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्रों का निर्यातक बन गया। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अहंकार और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 फ़ीसदी युवा बेरोजगार हो गए। सामाजिक विघटन बांग्लादेश में तेज हुआ। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के स्थान पर तानाशाही, शासन और प्रशासन में आ गई। भ्रष्टाचार बढ़ गया। अदानी समूह द्वारा बिजली सप्लाई का जो अनुबंध बांग्लादेश के साथ किया गया। उससे पूरे बांग्लादेश में यह संदेश गया, कि बिजली सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जिसके कारण भारत के खिलाफ भी बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। 2024 के आम चुनाव के पहले शेख हसीना ने विपक्षी दलों को जेल भेज दिया। विपक्षी दलों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। भारत ने बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह से शेख हसीना ने चुनाव कराए। भारी बहुमत से शेख हसीना चुनाव भी जीत गई। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी, वह अपना सिंहासन ज्यादा दिनों कायम नहीं रख पाई। उन्हें अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में भारत के पड़ोसी देशों से बहुत अच्छे संबंध नहीं होना, सीमाओं पर लगातार कानून व्यवस्था की चुनौती, पड़ोसी देशों के साथ चीन के बेहतर संबंध, भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। जब सारी दुनिया की महाशक्तियां, आर्थिक मंदी और तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी हैं। ऐसे समय पर भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर गए हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति से उनकी मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ शांति का प्रस्ताव रखा है। 4 समझौते भी उन्होंने यूक्रेन के साथ किए हैं। शांति बनाए रखने के लिए मोदी की इसके पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी बात हुई थी।

अपनी अनोखी बनावट के लिए प्रसिद्ध है मुंबई की यह बिल्डिंग

दुनियाभर में अपने आर्किटेक्चर को लेकर कई इमारतें प्रसिद्ध हैं, लेकिन भारत की बात करें तो मुंबई की एक इमारत अपने अनोखी बनावट के लिए बेहद लोकप्रिय है। मुंबई में जेम्स लॉ साइबरटेक्चर बिल्डिंग का डिज़ाइन देखने में बहुत अलग है। यह इमारत आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना है। 13 मंजिल की कमर्शियल बिल्डिंग अंडे के आकार की है। यह इमारत बनाने में कंक्रीट, स्टील और ग्लास का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इस इमारत को हांगकांग की एक फर्म ने डिजाइन किया है। यह इमारत एन्वायरनमेंटल डिजाइन, शानदार कंट्रोल सिस्टम के साथ आइकॉनिक आर्किटेक्चर का दावा करती है। इसके ऑफिस का कैंपस 33,000 स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। तीन अंडरग्राउंड लेवल्स में 400 गाड़ियों के लिए पार्किंग स्पेस है। अपनी डिज़ाइनिंग के लिए ही नहीं ये बिल्डिंग डिजाइनिंग अपने फ्रेंडली एनवायरनमेंट के लिए भी प्रसिद्ध है।

हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है इंग्लैंड का जुरासिक कोस्ट

इंग्लैंड के सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है जुरासिक कोस्ट। हर साल यह दुनिया भर से लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है। जुरासिक तट को 2002 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था, जो अपनी उत्कृष्ट चट्टानों, जीवाश्मों और भू-आकृतियों के लिए पहचाना जाता है। यह एकमात्र ऐसा स्थान है जहां ट्राइएसिक, जुरासिक और क्रेटेशियस काल की चट्टानें एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं, जो कि 185 मिलियन वर्षों का प्रतिनिधित्व करती हैं यहां रहने वाले विभिन्न प्राणियों के जीवाश्म अवशेषों को चट्टानों में संरक्षित किया गया है। जुरासिक तट दक्षिणी इंग्लैंड में 95 मील लंबा समुद्र तट है, जो डोर्सेट और डेवोन की काउंटी के भीतर स्थित है।

जमीन के अंदर शहर चट्टानों में बने चर्च

नजारा देखकर लगता है सपनों का संसार

चाहे कुदरत के बनाए नजारे हों, फिर जमीन के अंदर इंसानों की बसाए शहर या चट्टानों में काटे गए चर्च. तुर्की के कप्पाडोसिया में आकर आपको लगेगा कि आप किसी सपने के संसार में आ गए हैं. हैरान करने वाले कुदरती नजारे का साथ ही यह इतिहास और रहस्यों से भरपूर है.

अगर आप किसी ऐसी जगह जाना चाहते हैं जो एतिहासिक होने के साथ कुदरती खूबसूरती से भरी हो तो आपको को तुर्कीये के मध्य प्रांतो के उच्च पठार में मौजूद कप्पाडोसिया के बारे में जरूर सोचना चाहिए. एक तरफ यहां की मनमोहक चिमनियां और प्राचीन चट्टानों की संरचनाएं हैं, तो वहीं दूसरी सांस्कृतिक विरासत भरे ऐसे इलाके भी हैं जहां गुफा चट्टान काट कर बने चर्च और भूमिगत शहर भी हैं.

लाखों साल पहले सेंट्रल एनाटोलियन क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोटों एक सिलसिला चला था. इसी के नतीजे में कैप्पाडोसिया फायरीज बनीं. यहां की मोटी राख जम कर टफ में और फिर उन खूबसूरत चिमनियों में बदल गई जिन्हें हम आज देखते हैं. लगभग 130 फीट ऊंचे ये टफ आने वाले कई सालों में आकार में बदल जाते हैं.

कप्पाडोसिया दुनिया में ईसाई धर्म के लिए सबसे अहम पूजा स्थलों में से एक है. 10वीं और 11वीं सदी के बीच, इस क्षेत्र में मठों और चट्टानों पर बहुत से चर्च बने. कई प्राचीन चर्च तो असाधारण आभूषणों से खूबसूरती से सजे हुए थे. यहां 600 से ज़्यादा चर्च हैं, और और भी खोजे जा सकते हैं. इनमें से कुछ चर्चों के खूबसूरत भित्तिचित्र लोगों को काफी हैरान करते हैं.

कप्पाडोसिया का सबसे बड़ा आकर्षण यहां से की जाने वाली हॉट एयर बैलून से की जाने वाली सैर है. यह यहां की सबसे लोकप्रिय गतिविधि है. यहां बाइकिंग और हाइकिंग के दौरान खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है. लेकिन कप्पाडोसिया हॉट एयर बैलूनिंग चमकदार प्राचीन नजारे देखने का सबसे अच्छा तरीका है.

कप्पाडोसिया के भूमिगत शहर इस क्षेत्र की यात्रा के दौरान न चूकने वाले अनूठे अनुभवों में से एक हैं. इनमें से कुछ भूमिगत बस्तियां संकरी सुरंगों के एक नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं. इस क्षेत्र में लगभग 36 भूमिगत शहर हैं, कायमाली और डेरिनकुयू उनमें से सबसे लोकप्रिय और सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले शहर हैं.

ज्वालामुखी टफ की बदौलत, कप्पाडोसिया एक बड़ा अंगूर उत्पादक है और वाइन बनाने का एक लंबा इतिहास समेटे हुए है. इलाके की बाकी खूबियों के कारण टूरिस्ट भूल जाते हैं कि यह क्षेत्र अपनी वाइन के लिए भी जाना जाता है. यहां घूमने के लिए कुछ वाइनरी में कपाडोक्य, तुरासन, कोकाबाग और सेनल शामिल हैं. कुछ सबसे लोकप्रिय रेड और व्हाइट वाइन ब्रांड इस क्षेत्र से हैं, और पर्यटक वाइन-चखने वाली दुकानों में कुछ का नमूना ले सकते हैं.

कप्पाडोसिया अपने अविश्वसनीय ओपन-एयर संग्रहालय के लिए जाना जाता है, जो गोरेमे में मौजूद है. गोरेमे ओपन-एयर संग्रहालय इलाके में सबसे अधिक देखे जाने वाले और लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक है. क्षेत्र के अन्य रॉक साइट्स के अलावा, यह संग्रहालय तुर्कीये में पहला संग्रहालय था जिसे 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था.

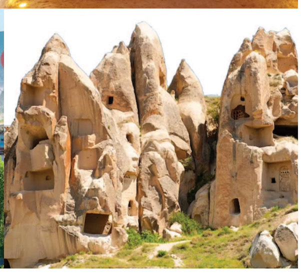

क्या आप जानते हैं ट्रेनों पर लिखें नंबरों का मतलब

ट्रेन के नंबरों को ध्यान से देखें, क्योंकि हर नंबर कुछ कहता है ट्रेन के नंबर बोलते हैं। जी हां, ट्रेन के डिब्बों (बोगी) पर आपने नंबर लिखे देखे होंगे, आपको नहीं लगता कि ये आपको कुछ इशारा करते हैं। कभी मन में आपके ये सवाल भी उठे होंगे, लेकिन हाथों हाथ जवाब नहीं मिला होगा। यहां हम आपको ट्रेन के डिब्बों पर लिखे नंबरों का महत्व बताएंगे।

ट्रेन के डिब्बों पर लिखे नंबर आपको जानकारी ही नहीं देते बल्कि सुविधाजनक भी हैं। जैसे आपको बर्थ या सीट का नंबर टिकट पर लिखा मिलता है, जो आपको बताता है कि आप कहां बैठेंगे या लेटेंगे। ठीक वैसे ही डिब्बों पर लिखे इन अंकों में कई पहचान छिपी होती हैं। कहने का मतलब यह है कि पांच अंक के ये नंबर इतिहास बताते हैं।

बोगी कितनी पुरानी है और कैटेगरी क्या है

किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे नंबर की शुरुआत 04 या 99 है, तो आप समझ जाइये कि ये बोगी 2004 या 1999 में बनी है। आप जब स्टेशन पर कोई ट्रेन पकड़ने जाते हैं, तो बोगी पर लिखे नंबर पर आपका ध्यान जाता है, लेकिन आप पढ़कर भी नजर अंदाज कर देते हैं। अब आप नंबर पढ़ते ही पहचान जाएंगे कि ये नंबर आपसे क्या बोल रहे हैं। जैसे किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे नंबर की शुरुआत 04 या 99 है, तो आप समझ जाइये कि ये बोगी 2004 या 1999 में बनी है। मतलब यह कि शुरुआती दो नंबर आपको बताते हैं कि बोगी कितनी पुरानी है। वहीं, इन दो नंबरों के बाद यदि 497 लिखा है, तो ये नंबर आपको बताते है कि ये जनरल बोगी या सामान्य डिब्बा है। रेलवे ने 497 कोड जनरल कैटेगरी के लिए तय किया हुआ है।

और भी हैं कई कैटेगरी, नंबर जिन्हें देते हैं पहचान

ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। आप इस कैटेगरी को नंबर के जरिए भी पहचान सकते हैं। बस आपको डिब्बे पर लिखी आखिरी तीन डिजिट ध्यान से देखनी होंगी। जैसे 001-025, ये नंबर बताते हैं कि ये फर्स्ट एसी के डिब्बे हैं। 026-050 ङ्क ये नंबर लिखे हों, तो समझ जाओ कि ये कंपोजिट फर्स्ट एसी या एसी-टूटी का डिब्बे हैं। 051-100 ये अंतिम तीन नंबर एसी-टूटी कोच को मिलते हैं। 101-150 ये नंबर बताते हैं कि ये डिब्बा एसी-थ्री को कैटिगराइज हैं। 151-200 यदि डिब्बे पर ये नंबर आखिरी में लिखे हों, तो पता चल जाता है कि ये डिब्बे सीसी या एसी चेयर कार के हैं। 201-400 नंबर सेकंड स्लीपर या एसएस कैटेगरी के कोच को दिए जाते हैं। कोच पर यदि ये 401-600 नंबर लिखे हों,तो इसका मतलब है कि ये जनरल सेकंड क्लास या जीएस के डिब्बे हैं। 601-700 अंतिम नंबर हों, तो ये डिब्बे सेकंड क्लास सिटिंग /जनशताब्दी चेयर कार यानी टूएस के कोच को दर्शाते हैं। 701-800 के नंबर के आखिरी तीन डिजिट हों, तो पता चलता है कि सिटिंग कम लगेज रेक्स हैं। यदि कोच पर 801 या इससे बड़े नंबर आखिरी तीन स्थान पर हों, तो पेंट्री कार, जेनरेटर और मेल के कोच की जानकारी देते हैं।

डिब्बे के रंग भी क्या कहते हैं जानेंज

डिब्बों के नंबर ही नहीं उनके रंग भी कई जानकारी देते हैं। किसी डिब्बे का रंग हरा होता है, तो किसी का नीला और किसी का लाल। डिब्बों या कोच के ये रंग ट्रेन की क्लास को बताते हैं। ऐसा नहीं है कि रंग हर बार केवल क्लास ही बताते हैं। रंग ये भी बताते हैं कि ट्रेन किस फैक्ट्री में तैयार की गई है।

हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। भारत के नक्शे पर छोटा सा दिखने वाला बिहार का हाजीपुर शहर एक कुएं के कारण देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी पहचान बना चुका है। हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित इस एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। जी हां, इस कुएं के हर छोर के पानी का स्वाद अलग है। यही कारण है कि गंगा और गंडक के संगम पर स्थित इस कुएं को नवग्रह कुआं कहा जाता है।

भारत का सबसे चमत्कारी कुआं है यह, एक ही कुएं में मिलता है नौ तरह का पानी

प्रकृति का वरदान है नौ स्वाद वाले पानी का यह कुआं भारत चमत्कारों, रहस्यों और अद्भुत धरोहरों का संगम है। कुछ चमत्कार हमारे पूर्वजों ने हमें आशीर्वाद स्वरूप दिए तो कुछ प्रकृति ने वरदान के रूप में भेंट किए। यही कारण है कि भारत की धरती पर कदम कदम को आपको कुछ अनोखा देखने को मिल जाएगा। ऐसा ही एक अजूबा है बिहार के हाजीपुर का एक छोटा सा कुआं। इस कुएं को प्रकृति का अनोखा वरदान कहा जा सकता है।

इसलिए बेहद अनोखा है यह कुआं

हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित इस एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। भारत के नक्शे पर छोटा सा दिखने वाला बिहार का हाजीपुर शहर एक कुएं के कारण देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी पहचान बना चुका है। हाजीपुर स्थित कबीर मठ में स्थित इस एक ही कुएं में नौ प्रकार के स्वाद का पानी मिलता है। जी हां, इस कुएं के हर छोर के पानी का स्वाद अलग है। यही कारण है कि गंगा और गंडक के संगम पर स्थित इस कुएं को नवग्रह कुआं कहा जाता है। इस चमत्कारी कुएं को देखने के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण साल 1640 में किया गया था। तभी से ये लोगों की आस्था का केंद्र है।

आज तक नहीं सुलझ पाया यह रहस्य

इस कुएं के चमत्कार यहीं खत्म नहीं होते हैं। इस कुएं और नदी के बीच की दूरी करीब 100 फीट है। इसके बाद भी कुएं का जलस्तर नदी के जलस्तर से हमेशा ऊंचा रहता है। इसके पीछे क्या कारण है, इसका रहस्य आजकल नहीं सुलझ पाया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस कुएं पर कभी भी किसी प्राकृतिक आपदा का असर नहीं पड़ा है। 383 साल से यह कुंआ यहां शान से है। यहां प्रतिवर्ष विश्वप्रसिद्ध सोनपुर पशु मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले के दौरान लोग अपने ग्रहों की शांति के लिए इस कुएं की पूजा करना नहीं भूलते। कहते हैं यहां पूजा के बाद लोगों की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

शोधकर्ताओं ने खोज निकाला सच

कुएं के नौ अलग-अलग मुहाने के पानी में नौ प्रकार के मिनरल हैं। यही कारण है कि इसका स्वाद अलग-अलग है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कुआं नवग्रहों की गति को सुधार देता है। कोई भी दोष होता है, उसे दूर कर देता है। यही कारण है कि प्रतिदिन यहां लोग ग्रहों की शांति की पूजा करने आते हैं और कुएं के अलग अलग स्वाद के पानी का सेवन करते हैं। एक ही कुएं में इस तरह नौ स्वाद का पानी आना लोगों के लिए चमत्कार से कम नहीं है। यही कारण है कि देश विदेश के शोधकर्ता यहां इस रहस्य को सुलझाने आए। शोधकर्ताओं ने भी माना है कि इस कुएं का पानी नौ अलग अलग स्वाद का है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि कुएं के नौ अलग-अलग मुहाने के पानी में नौ प्रकार के मिनरल हैं। यही कारण है कि इसका स्वाद अलग-अलग है। कारण कुछ भी हो लोग इस कुएं को ईश्वर के वरदान के रूप में ही देखते हैं। उनका मानना है कि हर ग्रह एक अलग स्वाद के पानी का प्रतिनिधित्व करता है।

मैजिकपिन के सह-संस्थापक बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में पूर्णकालिक भागीदार बने

नई दिल्ली। ई-वाणिज्य कंपनी मैजिकपिन के सह-संस्थापक एवं पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में पूर्णकालिक भागीदार के रूप में शामिल हो गए हैं। प्रारंभिक चरण की उद्यम पूंजी कंपनी प्राइम वीपी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस भूमिका में भूषण निवेश दल के प्रमुख सदस्य होंगे। कंपनी के निवेश, खंड प्रबंधन और वित्त पोषण से जुड़े सभी पहलुओं में उनकी अहम भूमिका होगी। प्राइम वेंचर पार्टनर्स (प्राइम वीपी) के प्रबंध साझेदार अमित सोमानी ने कहा, ''बृज भूषण रणनीतिक विचार, निष्पादन उत्कृष्टता और कंपनी निर्माण के लिए आवश्यक दीर्घकालिक सोच का एक अनूठा संयोजन लेकर आए हैं। हमारा मानना है कि वह हमारी नेतृत्व टीम के लिए एकदम सही हैं..'' भूषण ने मैजिकपिन के सह-संस्थापक थे। उन्होंने मैजिकपिन की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और लाइटस्पीड, जोमैटो और वॉटरब्रिज सहित कई निवेशकों से 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की धनराशि जुटाई। भूषण ने कहा, ''प्राइम वेंचर पार्टनर्स में शामिल होना एक सफर पूरा करने जैसा लगता हैंज.मेरा मानना है कि प्रारंभिक चरण में एक स्टार्टअप को निवेश से कहीं अधिक चाहिए ज उन्हें एक अच्छा दल चाहिएज''

सरकार ने ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव मांगे

नई दिल्ली। सरकार ने देश में ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र (ईसीईएच) स्थापित करने के लिए उद्योग जगत से प्रस्ताव मांगे गए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक नोटिस में कहा, प्रस्ताव के आधार पर निर्बाध तथा शीघ्र निर्यात मंजूरी की सुविधा के लिए ईसीईएच के लिए सॉफ्टवेयर आवश्यकताओं सहित अन्य विवरण तय किए जाएंगे। इस संबंध में इन केंद्रों के संचालन के लिए प्रारूप तैयार कर लिया गया है। डीजीएफटी ने कहा, ''इस संबंध में, ईसीएचओ की स्थापना के लिए विस्तृत प्रस्ताव जांच, समर्थन तथा मार्गदर्शन के लिए निदेशालय को प्रस्तुत किया जा सकता है।'' सरकार ने बजट में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इन केंद्र की स्थापना की घोषणा की थी। देश में शुरुआत में 10-15 केंद्र स्थापित करने की योजना है। भारत का वर्तमान में इस माध्यम से निर्यात केवल पांच अरब अमेरिकी डॉलर सालाना का है, जबकि चीन का निर्यात 300 अरब डॉलर है। आने वाले वर्षों में इसे 50-100 अरब डॉलर तक ले जाने की संभावना है।

जीएसटी एनालिटिक्स हैकथॉन का आयोजन कर रहा है जीएसटीएन

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) पूर्वानुमान आधारित विश्लेषण के जरिये कर अनुपालन में नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए 'जीएसटी एनालिटिक्स हैकथॉन' का आयोजन कर रहा है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इसमें भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और कंपनियों के पेशेवरों को जीएसटी विश्लेषण ढांचे का पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। कुल पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 12 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार सात लाख रुपये और एक लाख रुपये का सांत्वना पुरस्कार शामिल है। इसके अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिला टीम को पांच लाख रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। पंजीकरण शुरू होने से लेकर विकसित प्रोटोटाइप प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख तक यह हैकथॉन 45 दिन तक चलेगा।

ग्रीष्मा सिंह कोका-कोला की भारत दक्षिण-पश्चिम एशिया के लिए नई बाजार प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। प्रमुख पेय पदार्थ कंपनी कोका-कोला ने ग्रीष्मा सिंह को भारत दक्षिण-पश्चिम एशिया (आईएनएसडब्ल्यूए) परिचालन इकाई का नया बाजार प्रमुख नियुक्त किया गया है। कंपनी के बयान के अनुसार, सिंह एक सितंबर, 2024 से पदभार संभालेंगी। वह अर्नब रॉय की जगह लेंगी, जिन्हें हाल ही में कोका-कोला ट्रेडमार्क का अध्यक्ष (ग्लोबल कैटेगरी) नियुक्त किया गया है। इससे पहले, सिंह आईएनएसडब्ल्यूए परिचालन इकाई के ग्राहक एवं वाणिज्यिक नेतृत्व (सीएंडसीएल) की उपाध्यक्ष थीं। बयान में कहा गया, सिंह 15 वर्ष से अधिक समय से कोका-कोला कंपनी के साथ जुड़ी हुई हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया तथा भारत के बाजारों में विपणन, रणनीति और सीएंडसीएल संबंधी भूमिकाएं निभाई हैं। सिंह ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (हैदराबाद) और कोलोराडो कॉलेज से पढ़ाई की है। अपनी नई भूमिका में वह भारत में ही पदस्थ रहेंगी।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने अरीबा फूड्स में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने उज्जैन स्थित अरीबा फूड्स में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। अरीबा 'स्नैक्स' व 'फ्रोज़न' खाद्य पदार्थ में विशेषज्ञता रखती है। लएक संयुक्त बयान के अनुसार, बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने कंपनी में 55 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है, जिसकी कुल कीमत 60.49 करोड़ रुपये बैठती है। इससे बीकाजी को अपने 'फ्रोज़न' फूड उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने और बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में मदद मिलेगी। बीकाजी के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने कहा, ''यह रणनीतिक कदम न केवल निर्यात वृद्धि के लिए हमारी क्षमता को मजबूत करता है, बल्कि त्वरित सेवा रेस्तरां (क्यूएसआर) खंड में हमारे प्रवेश का भी समर्थन करता है। अरीबा की अत्याधुनिक उत्पादन क्षमताओं को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य अपने 'फ्रोज़न स्नैक्स' और नमकीन उत्पादन को बढ़ाना है।'' अरीबा फूड्स के प्रवर्तक गौरव बहेती ने कहा, ''हमारी उन्नत उत्पादन सुविधाओं तथा निर्यात विशेषज्ञता के साथ, हम बीकाजी की उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।'' बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल का वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व 2,294.71 करोड़ रुपये रहा था।

रेपको बैंक ने केंद्रीय सहकारिता मंत्री को 19.08 करोड़ रुपये का लाभांश चेक भेंट किया

नई दिल्ली। रेपको बैंक ने आज केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को 19.08 करोड़ रुपये का लाभांश चेक भेंट किया। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस आशय की जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत सरकार की 76.32 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी पर 25 प्रतिशत की दर से लाभांश के रूप में 19.08 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया गया। मंत्रालय के मुताबिक शुक्रवार को रेपको बैंक के अध्यक्ष ई. संथानम और प्रबंध निदेशक (प्रभारी) ओएम गोकुल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत सरकार की 76.32 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी पर 25 प्रतिशत की दर से लाभांश के रूप में 19.08 करोड़ रुपये का चेक गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, गृह मंत्रालय में ओएसडी गोविंद मोहन की उपस्थिति में भेंट किया। उल्लेखनीय है कि रेपको बैंक, गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार का एक उद्यम है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान बिजनेस मिक्स में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में आज बैंक ने 20,000 करोड़ रुपये के बिजनेस मिक्स को पार कर लिया है।

एसबीआई ऋण की मांग का समर्थन करने में सक्षम, कम जमा वृद्धि कोई चुनौती नहीं: चेयरमैन

मुंबई।

जमा और ऋण वृद्धि के बीच बढ़ते फासले को लेकर फैली चिंताओं के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने शुक्रवार को कहा कि यह देश के सबसे बड़े ऋणदाता के लिए कोई चुनौती नहीं है क्योंकि वह अग्रिमों में वृद्धि का समर्थन करने में सक्षम है। खारा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बैंक ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए जरूरी संसाधन की व्यवस्था करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में अपने अतिरिक्त निवेश का एक हिस्सा निकाल रहा है। लगभग दो वर्षों से जमा वृद्धि बैंकिंग प्रणाली के लिए ऋण वृद्धि से पीछे चल रही है। सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई भी अपने कारोबार में समान रुझान देख रहा है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह बचत के उच्च उपज वाले पूंजी बाजार विकल्पों में प्रवाह के कारण है, जबकि एसबीआई के अपने शोधकर्ताओं ने इन चिंताओं को 'सांख्यिकीय मिथक' कहा है। इस बारे में पूछे जाने पर एसबीआई चेयरमैन ने कहा, ''हम अपने कर्ज बही-खाते में वृद्धि का अच्छी तरह से समर्थन करने की स्थिति में हैं। जबतक हम ऋण वृद्धि का अच्छी तरह से समर्थन कर सकते हैं, मुझे नहीं लगता कि हमारे सामने कोई चुनौती है।'' उन्होंने कहा कि बैंक के पास 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश है, और ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) का एक हिस्सा हटा रहा है।

टीवीएस ने लॉन्च किया जुपिटर 110, शुरुआती कीमत 73 हजार रुपए

नई दिल्ली।

टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) दोपहिया और तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में एक प्रमुख ग्लोबल ऑटोमेकर है। उन्होंने नया टीवीएस जुपिटर 110 लॉन्च किया। इसका उद्देश्य स्कूटर सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इसका मुकाबला होंडा एक्टिवा और हीरो प्लेजर प्लस से है। कंपनी को उम्मीद है कि इसके लॉन्च के साथ ही वह स्कूटर सेगमेंट में सालाना 12 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हासिल करेगी। इस पेट्रोल स्कूटर की शुरुआती कीमत दिल्ली में 73,700 रुपए रखी गई है, और यह चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। ड्रम, ड्रम अलॉय, ड्रम एसएक्ससी, और डिस्क। टीवीएस मोटर कंपनी के डायरेक्टर और सीईओ के मुताबिक इस नए स्कूटर के लिए डिज़ाइन किया गया नया नेक्स्ट-जेनरेशन प्लेटफॉर्म कंपनी के री-इमेजिन 2030 विज़न के साथ मेल खाता है। इस नए प्लेटफॉर्म के लिए कंपनी ने करीब 150 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

वर्तमान में इस स्कूटर उद्योग की बढ़ोतरी दर 8 फीसदी है, जबकि टीवीस मोटर 12 फीसदी की दर से बढ़ रही है। नए मॉडल के साथ कंपनी की योजना है कि वह इस मौजूदा दर और उद्योग के औसत से भी ज्यादा तेजी से बढ़े। नया स्कूटर नेक्स्ट-जेनरेशन इंजन और अपने सेगमेंट में पहली बार देखे जाने वाले मॉडर्न फीचर्स के साथ आता है। अब तक टीवीएस जुपिटर की 65 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। कंपनी ने कहा कि नया टीवीएस जुपिटर 110 हमारे ग्राहकों की उम्मीदों, इंजीनियरिंग, तकनीक, डिजाइन और आरामदायक अनुभव में निवेश करने के हमारे वादे को दर्शाता है। हमने टीवीएसएम शोरूम में ग्राहक अनुभव की क्वालिटी को भी बेहतर बनाया है, और नया टीवीएस जुपिटर 110 इस पूरे अनुभव को और आगे ले जाता है। हमें विश्वास है कि टीवीएस जुपिटर, अपने सेगमेंट में कई नई सुविधाओं के साथ, दोपहिया बाजार में स्थिति को और मजबूत करेगा।

टीवीएस मोटर कंपनी के मीडिया प्रमुख ने कहा टीवीएस जुपिटर 110 पिछले एक दशक से टीवीएस मोटर के स्कूटर पोर्टफोलियो का प्रमुख हिस्सा रहा है। इस दौरान 65 लाख परिवारों ने इस प्रोडक्ट पर भरोसा जताया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े ऑटोमोटिव ब्रांड्स में से एक बन गया है। इसकी टॉर्क डिलीवरी, बेहतर ईंधन एफिसिएंसी, और पर्याप्त स्पेस, सभी को आधुनिक डिजाइन में पेश किया है, जो इसे अपनी अलग श्रेणी में खड़ा करता है। यह बेहतरीन स्कूटर ग्राहकों को खुश करता रहेगा।

जन्माष्टमी से पहले सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलावनहीं

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट आई है। वहीं चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से नीचे आ कर 72,960 रुपये से लेकर 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67 हजार रुपये के स्तर से लुढ़क कर 66,940 रुपये से लेकर 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चाय तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्री य बाजार में कच्चेह तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्री य बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 77.10 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.11 डॉलर यानी 0.15 फीसदी लुढ़ककर 72.90 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

मैपमाईइंडिया के दावों में दम नहीं, नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला: ओला संस्थापक

नई दिल्ली।

ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता ओला के सह-संस्थापक भाविश अग्रवाल ने मैपमाईइंडिया की नकल करने के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि मैप कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की सूचीबद्धता का फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। ओला ब्रांड का परिचालन करने वाली कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी ने नकल के दावों पर मैपमाईइंडिया को कानूनी नोटिस भेजा है, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला है। अग्रवाल ने कहा, ''ओला इलेक्ट्रिक नक्शा सेवा देने के कारोबार में नहीं है। ओला इलेक्ट्रिक का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के समय वे सिर्फ इसका फायदा उठाना चाहते थे। हमने उन्हें कानूनी नोटिस भी दिया है, लेकिन उनका जवाब आज तक नहीं आया है।'' ओला की ई-वाहन इकाई ओला इलेक्ट्रिक नौ अगस्त को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुई।

कंपनी ने अपने आईपीओ से करीब 5,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ मसौदा दायर करने से तीन दिन पहले 23 जुलाई को मैपमाईइंडिया ने उन्हें नोटिस भेजा था। घरेलू डिजिटल नक्शा कंपनी मैपमाईइंडिया ने भारत का नेविगेशन मानचित्र विकसित करने के ओला की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज के दावों पर सवाल उठाते हुए उसे 'नौटंकी' बताया है। इस बारे में संपर्क किए जाने पर मैपमाईइंडिया ने अपने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहन वर्मा का एक बयान साझा किया। वर्मा ने 12 अगस्त को कहा था, ''ओला एएनआई टेक्नोलॉजीज को 2015 में लाइसेंस मिला था और हमारे मैप डेटा तक पहुंच मिली, जिसका उन्होंने उपयोग जारी रखा। हमने नियमों और शर्तों के कुछ उल्लंघन मिलने पर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।'' हालांकि, कंपनी ने ओला द्वारा भेजे गए कानूनी नोटिस पर कोई ताजा ब्योरा साझा नहीं किया।

फास्टैग में बैलेंस का झंझट खत्म, अब टोल प्लाजा पर नहीं रुकेगी गाड़ी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों में बदलाव करके फास्टैग में बैलेंस कम होने के झंझट को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। आरबीआई के इस नए नियम की वजह से अब बैलेंस कम होने के कारण टोल प्लाजा पर गाड़ियों के रुकने की आशंका खत्म हो जाएगी और गाड़ियां फर्राटे से टोल प्लाजा को पार कर जाएंगी। आरबीआई की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लिया है। ऐसा हो जाने से इन दोनों पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में निर्धारित लिमिट से पैसा कम होते ही ग्राहक के बैंक अकाउंट से जरूरत के मुताबिक पैसा खुद इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में आ जाएगो । इसका एक फायदा ये भी होगा कि अब ग्राहकों को बार-बार अपने फास्टैग को रिचार्ज नहीं करना पड़ेगा। इस तरह से फास्टैग रिचार्ज करने का झंझट पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। आपको बता दें कि ई-मैंडेट फ्रेमवर्क को 2019 में तैयार किया गया था। इस फ्रेमवर्क को तैयार करने का मूल उद्देश्य ग्राहकों को उनके खाते से होने वाली पैसे की निकासी की जानकारी देकर उनके हितों की रक्षा करना था। आरबीआई के मुताबिक फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के तहत पेमेंट की कोई पहले से निर्धारित या तय समय सीमा नहीं होती है। ऐसे में इन दोनों को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लेने से बिना किसी निश्चित तय समय सीमा के पैसे खाते से निकल कर खुद ही इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में क्रेडिट हो जाएंगे। इसके लिए ग्राहकों को प्री-डेबिट नोटिफिकेशन देने की भी जरूरत नहीं होगी। इसके पहले ग्राहकों को अपने खाते से पैसे डेबिट करने के लिए कम से कम 24 घंटा पहले प्री-डेबिट नोटिफिकेशन भेजना पड़ता था। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 5 से 7 जून को हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में ही फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल करने की घोषणा की थी। इसके तहत रिकरिंग पेमेंट्स को भी शामिल करने की बात कही गई थी। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि देश में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड और फास्टैग जैसे पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स का चलन लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स के उपयोग को और सुविधाजनक बनाने की कोशिश लगातार चल रही है। पहले फास्टैग या नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के वॉलेट में पैसे जमा करना पड़ता था लेकिन वॉलेट में पैसे कम हो जाने पर ग्राहकों को पेमेंट करने में परेशानी होती थी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण जून तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 8,212 इकाई हो गया है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायर याड्र्स ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 6,354 इकाई का था। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवासीय अचल संपत्ति गतिविधियों में जून तिमाही में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इस दौरान पंजीकरण महानिरीक्षक (आईजीआर) के पास 8,212 आवासीय लेनदेन पंजीकृत हुए। कंपनी ने बयान में कहा, इन लेन-देन का संयुक्त बिक्री मूल्य 6,013 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 59 प्रतिशत की वृद्धि है। यह सौदों की मात्रा में वृद्धि से अधिक है। स्क्वायर याड्र्स ने कहा कि नोएडा में अप्रैल-जून की अवधि के दौरान 3,200 इकाइयों का पंजीकरण किया गया, जबकि एक साल पहले यह संख्या 2,408 थी। ग्रेटर नोएडा में आवासीय संपत्तियों के पंजीकरण में 27 प्रतिशत की वृद्धि रही। यहां जून तिमाही में 5,012 घरों का पंजीकरण किया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 3,946 इकाई थी। स्क्वायर याड्र्स ने कहा कि डेवलपर्स के बीच रियल एस्टेट कंपनी निराला वर्ल्ड अप्रैल-जून तिमाही में लेनदेन की संख्या और बिक्री मूल्य, दोनों में सबसे ऊपर रही। टेक जोन -4 (ग्रेटर नोएडा) में इसकी परियोजना निराला एस्टेट 620 इकाइयों के पंजीकरण के साथ सबसे आगे है। इसका बिक्री मूल्य 565 करोड़ रुपये है।

आवास कीमतों में वृद्धि के मामले अप्रैल-जून तिमाही में मुंबई दूसरे, दिल्ली तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली।

देश में अप्रैल-जून तिमाही में प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में वार्षिक वृद्धि के मामले में मुंबई और दिल्ली दुनिया के 44 शहरों में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 44 शहरों में वार्षिक मूल्य वृद्धि 2024 कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.6 प्रतिशत रही जो पिछली तिमाही में 4.1 प्रतिशत थी। मनीला अप्रैल-जून तिमाही में 26 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ पहले स्थान पर रहा। मुंबई में घरों की कीमतों में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई और वह दूसरे स्थान पर रही। एक साल पहले की समान अवधि में मुंबई इस सूची में छठे स्थान पर थी। नई दिल्ली 10.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तीसरे स्थान पर है, जो एक साल पहले समान अवधि में 26वें स्थान पर थी। बेंगलुरु में घरों के दाम 3.7 प्रतिशत बढ़े और वह सूची में 15वें स्थान पर रहा। सलाहकार ने कहा, ''देश का सबसे बड़ा आवासीय बाजार होने के नाते प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में मजबूत वृद्धि देश की समृद्ध आबादी की बढ़ती आकांक्षाओं का एक मजबूत संकेतक है।'' रिपोर्ट के अनुसार, दुबई में 2020 से 124 प्रतिशत

की वृद्धि के बाद मामूली नरमी देखी गई और इस साल सालाना आधार पर 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

अब टीम इंडिया के लिए कभी नहीं चलेगा गब्बर का बल्ला

नई दिल्ली(एजेंसी)। शिखर धवन ने इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। 24 अगस्त की सुबह-सुबह सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान किया। गब्बर के नाम से मशहूर बाएं हाथ का यह बल्लेबाज लंबे समय से टीम से बाहर चल रहा था। शुभमन गिल सरीखे युवा ओपनर्स के आने के बाद से उनकी टीम में वापसी मुश्किल नजर आ रही थी। वह आईपीएल खेलेंगे या नहीं इस बारे में फिलहाल कोई अपडेट नहीं है। लगभग 39 साल के हो चुके शिखर धवन ने भारत के लिए सबसे पहली बार 2010 में वनडे क्रिकेट खेला था, इसके बाद टी-20 और फिर टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला।

मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन ने मिलकर कई साल तक भारतीय टीम के लिए ओपनिंग की। दोनों टीम को तूफानी शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर थे। शिखर धवन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डेब्यू करते हुए किसी पदार्पण खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टेस्ट शतक लगाकर सिलेक्टर्स को चौंका दिया था। दिल्ली के रहने वाले धवन एक आक्रामक बल्लेबाज थे, जो गेंदबाजों के परखच्चे उड़ाने में मशहूर थे। अपनी घुमावदार मूंछों से नया स्टाइल स्टेटमेंट बनाने वाले धवन का कैच लपकने के बाद जांघों पर हाथ मारने का सिग्नेचर स्टाइल हमेशा याद रखा जाएगा।

2003-04 के अंडर-19 विश्व कप में तीन शतकों के साथ 84।16 की औसत से 505 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। इसके बाद रणजी ट्रॉफी में धवन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। आईपीएल और पांच वनडे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन और टेस्ट सलामी बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद, ऐसा लग रहा था कि धवन को घरेलू क्रिकेट और टी-20 लीग तक की समेट दिया जाएगा, लेकिन किस्मत पलटी और सहवाग-गंभीर दोनों का फॉर्म अचानक बुरी तरह गिर गया, जिसके बाद 27 साल के धवन को मौका मिला और उन्होंने पीछे पलटकर नहीं देखा।

शिखर धवन आईपीएल में बैक-टू-बैक शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड धवन के नाम है। कुल रनों के मामले में वह सिर्फ विराट कोहली से पीछे हैं। धवन ने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल जीता। सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा शिखर धवन दिल्ली डेयरडेविल्स (डीडी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस (एमआई) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ खेल चुके हैं। धवन ने पंजाब किंग्स और एसआरएच दोनों की कप्तानी भी की है।

2010 में धवन को भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। साल 2011 में उन्होंने टी20 जबकि 2013 में टेस्ट क्रिकेट मे डेब्यू किया। धवन के करियर में सबसे अच्छा साल 2013 रहा। जब उन्होंने 26 वनडे मैचों में 1162 रन ठोक डाले। इसी साल धवन ने चैंपियंस ट्रॉफी में 5 मैच में 363 ठोके थे। भारत इस साल तीसरी बार आईसीसी इवेंट का चैंपियन बना था। इसके बाद धवन को टीम में लगातार मौके मिलते रहे।

धवन ने भारत की तरफ से 167 वनडे, 68 टी20 और 34 टेस्ट मैच खेले हैं। टेस्ट में 7 शतक के साथ उनके नाम 2315 हैं जबकि वनडे में 17 शतकीय पारी की बदौलत 6782 रन बनाए हैं। टी20 में धवन ने 11 हाफ सेंचुरी जड़ते हुए 1759 रन बनाए हैं। धवन ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 10 दिसंबर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ ही खेला था। इसके बाद से उन्हें टीम इंडिया में कभी मौका नहीं मिला।

शाहीन शाह अफरीदी बने बेटे के पिता, चलते मैच में ऐसे की घोषणा

खेल डैस्क । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और उनकी पत्नी अंशा अफरीदी की जिंदगी में पहली संतान आ गई है। शहीन बेटे के पिता बन गए हैं जिसका नाम अली यार रखा गया है। पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी की सबसे बड़ी बेटी है अंशा, जिन्होंने सुपरस्टार को दादा बनने का सुख दिया है। इससे पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शाहीन अपने बेटे के जन्म के कारण बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान के रेड-बॉल कोच जेसन गिलेस्पी ने अफरीदी के महत्व पर जोर दिया तो यह पाकिस्तानी तेज गेंदबाज पीछे नहीं हटा।

बता दें कि शाहीन और अंशा ने 2021 में सगाई की थी। इसके बाद 3 फरवरी 2023 को एक निजी निकाह समारोह में शादी कर ली। जुलाई में रिपोर्टें सामने आईं कि दंपति अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे थे। इस दौरान पाकिस्तान का बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच था लेकिन शाहीन ने ब्रेक लेने की बजाय मुकाबला खेला। 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से, शाहीन पाकिस्तान के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी हैं। वह टेस्ट और वनडे दोनों में 100 से अधिक विकेट ले चुके है। टी20 में उनके नाम पर 96 विकेट दर्ज हो गए हैं। पाकिस्तान की घरेलू क्रिकेट लीग में भी बतौर कप्तान शाहीन ने झंडे गाड़े हैं। वह लाहौर कलंदर्स को 2022 और 2023 में पाकिस्तान सुपर लीग (क्रस्र) खिताब जितवा चुके हैं। वह हंड्रेड मेन्स और इंटरनेशनल लीग टी20 में भी भाग ले चुके हैं।

बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने होम ग्राउंड पर ही पाकिस्तानी गेंदबाजों को धोया

-लिटन ने मारा ऐसा छक्का कि स्टेडियम के बाहर जाकर गिरी गेंद

नई दिल्ली (एजेंसी) । रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले टेस्ट में बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना शानदार खेल दिखाया है। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए 16 रन पर तीन विकेट के झटकों से उभरकर 448 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में खेलते हुए पाकिस्तान को जोरदार जवाब दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने पांच विकेट पर 316 रन बनाए थे। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज शदनाम इस्लाम ने 93 तो मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम और लिटन दास ने अर्धशतक लगाए।

टेस्ट मैच की खासियत बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने पाकिस्तान के सबसे तेज गेंदबाज नसीम शाह की जमकर पिटाई की। 89वें ओवर में जब नसीम पूरे जोश के साथ लिटन को बाऊंसर मारने की कोशिश कर रहे थे तब बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर नसीम की गेंदों को पहुंचाया। लिटन ने नसीम के ओवर की शुरूआत चौके से की। उन्होंने दूसरे गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर नसीम जब राऊंड द लैग आए तो लिटन ने पुल शॉट से ऐसा गजब छक्का लगाया कि गेंद स्टेडियम से बाहर जाकर गिरी। इससे अगली गेंद पर लिटन ने एक और चौका मारकर नसीम की लय ही बिगाड़ दी। इसी ओवर में कुल 18 रन बने। लिटन ने 52 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। वह आठ चौके और एक छक्का लगाने के साथ अभी नाबाद किरीच पर जमे हुए हैं।

चैरिटी के लिए 40 लाख में बिकी विराट कोहली की जर्सी, धोनी का बल्ला इतने लाख में बिका

मुम्बई (एजेंसी)। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के प्रयासों के तहत केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने 'क्रिकेट फॉर चैरिटी' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए अपनी संग्रहणीय वस्तुओं का योगदान दिया। इन्हीं में विराट कोहली की जर्सी 40 लाख में बिकी है। नीलामी से कुल 1.93 करोड़ जुटाए गए हैं। विराट के दस्ताने भी 28 लाख में बिके हैं जबकि रोहित शर्मा का बल्ला 24 लाख में बिका है। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी का बल्ले भी इस दौरान 13 लाख में बिका। वहीं, राहुल द्रविड़ का बल्ला 11 लाख में बिका और केएल राहुल की जर्सी भी इतनी ही कीमत में बिकी।

कोहली की जर्सी- 40 लाख
कोहली के ग्लव्स- 28 लाख
रोहित का बल्ला- 24 लाख
धोनी का बल्ला- 13 लाख
द्रविड़ का बल्ला- 11 लाख
राहुल की जर्सी- 11 लाख

बता दें कि इस चैरिटी शो के लिए भारतीय क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, संजू सैमसन भी नेक काम के लिए आगे आए। जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक और निकोलस पूरन जैसे अंतर्राष्ट्रीय सितारे भी इस पहल में शामिल रहे।

विराट कोहली क्रिकेट जगत के सबसे अमीर क्रिकेटरों में से एक है। उनकी इनकम क्रिकेट, ब्रांड एंडोर्समेंट्स और अन्य व्यक्तिगत प्रोजेक्ट्स से आती है। विराट को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्ष्ष्ष्ठ्ठ) से सैलरी मिलती है, जो उनके टेस्ट, वनडे, और टी20 मैचों के लिए होती है। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में एक प्रमुख खिलाड़ी हैं और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हैं, जिससे उन्हें भी एक बड़ा वेतन प्राप्त होता है।

इसके अलावा विराट की कई प्रमुख ब्रांड्स के साथ साझेदारी भी है। ब्रांड एंडोर्समेंट्स से उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा आता है। इसमें नाइकी, पेप्सी, ओप्पो, और कई अन्य ब्रांड्स शामिल हैं। आमतौर पर विराट कोहली की कुल वार्षिक इनकम 100 से 150 करोड़ रुपये (या इससे अधिक) के बीच होती है, लेकिन ये आंकड़े ब्रांड एंडोर्समेंट्स और अन्य प्रोजेक्ट्स के आधार पर बदल सकते हैं।

बीसीसीआई की आईपीएल से होने वाली कमाई 116 फीसदी बढ़ी : रिपोर्ट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी विश्व का सबसे धनी बोर्ड है। उसकी आईपीएल लीग भी विश्व में नंबर एक पर है। फ्रेंचाइजी लीग में कोई भी लीग उसके सामने टिकती नहीं है। बीसीसीआई की आईपीएल से होने वाली कमाई 2022 से 2023 के बीच 116 फीसदी बढ़ी है। बीसीसीआई की सालाना रिपोर्ट के अनसार बोर्ड ने 2022 के आईपीएल सीजन से 2,367 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था, जो साल 2023 के आईपीएल संस्करण में 5120 करोड़ रुपए हो गया है। इस बढ़े हुए लाभ का मुख्य कारण प्रसारण अधिकार है, जिसे बोर्ड ने 2023 से 2027 के सीजन के लिए 48,390 करोड़ रुपए में बेचा है। इसके अलावा दो साल पहले शुरु हुई महिला क्रिकेट ली से भी बीसीसीआई को 259 करोड़ की लागत से 636 करोड़ का लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023 में बीसीसीआई का बैंक बैलेंस भी साढ़े पांच हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गया। बीसीसीआई टॉप-10 क्रिकेट बोर्डों के मुकाबल 85 फीसदी राजस्व हासिल करता है। वहीं कमाई के मामले में दूसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया का क्रिकेट बोर्ड क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) है पर उसकी और बीसीसीआई की कमाई में काफी अंतर है। वहीं तीसरे नंबर पर इंग्लैंड बोर्ड है।

बुमराह कोहिनूर हीरे की तरह हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए : कार्तिक

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम के लिए कोहिनूर हीरा बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कप्तान नहीं बनना चाहिए क्योंकि इससे उनके चोटिल होने का खतरा बढ़ जाएगा। बुमराह ने इससे पहले 2022 में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान स्टैंड-इन कप्तान के रूप में टीम इंडिया का नेतृत्व किया था, जब कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमण के चलते टीम से बाहर थे। उन्होंने पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में टीम इंडिया को 2-0 से जीत दिलाई थी, जहां उन्होंने गंभीर पीठ की चोट के कारण 11 महीने की छुट्टी के बाद वापसी की थी। कार्तिक ने कहा कि बुमराह खामोश तबीयत के हैं और उनमें अच्छी परिपक्वता है। लेकिन वह एक तेज गेंदबाज हैं, हम उसे तीनों प्रारूपों में कैसे खिला सकते हैं? चयनकर्ताओं के पास यह सबसे बड़ा सवाल है। बुमराह जैसे तेज गेंदबाज के लिए फिटनेस बनाए रखना जरूरी है। उसे एक खिलाड़ी के रूप में संरक्षित करने की जरूरत है। उसे महत्वपूर्ण मैचों में ही खेलने के लिए रखना चाहिए। कार्तिक ने आगे कहा कि बुमराह कोहिनूर हीरे की तरह है। हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए, उसकी देखभाल करनी होगी और यह तय करना होगा कि वह यथासंभव लंबे समय तक खेले क्योंकि जब भी बुमराह किसी भी प्रारूप में खेलता है, तो वह प्रभाव डालता है और यही हम चाहते हैं। यदि आप उस पर कप्तानी का बोझ डालते हैं और वह बहुत सारी सीरीज खेलता है तो वह खुद को घायल कर लेगा और यह बड़ी समस्या हो जाएगी।

कॉफी विद करण विवाद पर केएल राहुल... मैं कभी क्लास से निलंबित नहीं हुआ

मुंबई (एजेंसी)। केएल राहुल को हार्दिक पांड्या के साथ करण जौहर द्वारा आयोजित टॉक शो कॉफी विद करण में विवादित टिप्पणी होने के कारण उन्हें टीम इंडिया से बाहर होना पड़ा था। हार्दिक ने इंटरव्यू में महिलाओं पर तीखा कमेंट किया था जिसके कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थी। राहुल और पांड्या दोनों को निलंबन के कारण समय से पहले भारत आना पड़ा था।

बहरहाल, राहुल ने लंबे समय के बाद कहा कि इंटरव्यू में एक अलग दुनिया थी। इसने मुझे बदल दिया। मुझे पूरी तरह से बदल दिया। मैं बड़ा होने पर बहुत ही मृदुभाषी व्यक्ति था। फिर मैंने भारत के लिए खेला और बहुत आश्वस्त हो गया। लोगों को पता चल जाएगा कि 100 लोगों के कमरे में कोई और भी था। अब मैं ऐसा नहीं करता क्योंकि उस साक्षात्कार ने मुझे टीम से निलंबित कर दिया था। मुझे स्कूल में कभी भी निलंबित नहीं किया गया, मुझे नहीं पता कि इस कैसे संभालना है।

राहुल ने बताया कि कैसे ट्रोलिंग ने उन्हें प्रभावित करना शुरू कर दिया है। राहुल ने कहा कि तब वह छोटे थे और अपने करियर पर ध्यान दे रहे थे। इस दौरान राहुल से पूछा कि क्या कॉफी विद करण में उनकी उपस्थिति को लेकर हुआ विवाद एक योगदान कारक था। राहुल ने जवाब दिया कि हालांकि वह विशेष रूप से उस घटना का जिक्र नहीं कर रहे थे, लेकिन विवाद के नतीजों का उन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।

बता दें कि राहुल अभी आगामी दलीप ट्रॉफी 2024 के लिए तैयारी कर रहे हैं, जोकि 5 सितंबर से शुरू होने वाली है। स्टार भारतीय बल्लेबाज को बांग्लादेश, न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से चूकने के बाद टेस्ट टीम में वापसी की उम्मीद है। चोट के कारण इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 4 टेस्ट खेले थे। राहुल भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। उन्होंने 2022 टी20 विश्व कप के बाद से भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है। राहुल 2023 विश्व कप फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम के प्रमुख सदस्य थे।

नासिर हुसैन ने क्यों की हैरी ब्रूक की केविन पीटरसन से तुलना

मुंबई । इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हैरी ब्रूक की निरंतरता देखकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी चकित हुए हैं। उन्होंने ब्रूक की इंग्लैंड के लीजेंड प्लेयर केविन पीटरसन से तुलना कर दी है। अपने कॉलम में हुसैन ने प्रतिकूल परिस्थितियों या उनके खिलाफ हो सकने वाली स्थिति के बावजूद सहज दिखने की ब्रुक की क्षमता की प्रशंसा की। हुसैन ने बताया कि यह जरूरी नहीं कि पीटरसन या विव रिचर्ड्स जैसा बनने की कोशिश की जाए, बल्कि क्रीज पर हैरी ब्रूक के पास वह वास्तविक आभा है। वह बहुत प्रतिभाशाली हैं और उनके पास लंबे लीवर के साथ पीटरसन की झलक है, लेकिन बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में, मध्य क्रम में ब्रूक की भूमिका इंग्लैंड के लिए जरुरी होती है। हुसैन ने कहा कि उनके पास बल्लेबाजों की शैली महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें इसतरह के खिलाड़ियों की ज़रूरत है जो मुकाबला कर सकें और सकारात्मक इरादे के साथ-साथ शांत और धैर्यवान भी हों। अपने कॉलम में हुसैन ने लिखा कि यह ओल्ड ट्रैफर्ड पिच वह है जहां अधिकांश बल्लेबाजों ने पूरी तरह से सहज महसूस नहीं किया है और यहीं पर ब्रुक और जेमी स्मिथ दोनों ने इसे कितना आसान बना दिया है। श्रीलंका ने पहले खेलकर धनंजय डी सिल्वा के 84 गेंदों पर 74, मिलन रथनायके के 135 गेंदों पर 72 रन की बदौलत 236 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड को जो रूट और हैरी ब्रूक ने अच्छी स्थिति में पहुंचाया लेकिन महफिल जेमी स्मिथ ने लूटी। उन्होंने 148 गेंदों पर 111 रन बनाए और टीम का स्कोर 358 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका ने दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट खोकर 204 रन बना लिए हैं। श्रीलंका के लिए एंजेलो मैथ्यूज और कुमांदु मेंडिस अर्धशतक बनाने में सफल रहे। अभी उनके पास 82 रन की लीड है।

एक ही दिन में रोनाल्डो फॉलोअर्स 3 करोड़ के पार, यूटयूब पर केवल 10 घंटे के भीतर 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल किए

नई दिल्ली । यूटयूब पर डेब्यू करते ही इस शानदार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। उन्होंने यूटयूब पर केवल 10 घंटे के भीतर 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल कर लिए हैं। रोनाल्डो ने यूट्यूब पर 3.17 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर हासिल कर लिए हैं, और समय के साथ यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। फुटबॉल स्टार को चैनल बनाए जाने के 90 मिनट से भी कम समय में 10 लाख फॉलोअर्स तक पहुंचने पर यूट्यूब गोल्ड प्ले बटन मिला, और अब उन्होंने 1 करोड़ सब्सक्राइबर तक पहुंचकर डायमंड प्ले बटन भी हासिल कर लिया है। जहां लोगों को इस मुकाम तक पहुंचने में कई साल लग जाते हैं, वहीं 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यह उपलब्धि मात्र 10 घंटे में हासिल कर ली। रोनाल्डो ने अपने यूट्यूब चैनल पर कंटेंट पोस्ट करना शुरू कर दिया है, जहां उन्होंने अपने फैंस से वादा किया है कि वे 卐रियल क्रिस्टियानो रोनाल्डो' को भी देखने का मौका देंगे, जिसमें उनकी जिंदगी निजी स्टोरी शामिल होंगी। इस चैनल पर क्रिस्टियानो की पत्नी, जॉर्जिना रोड्रिग्ज, और उनके सबसे बड़े बेटे, क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर भी दिखाई देंगे। क्रिस्टियानो के चैनल के बनने से पहले, सबसे कम समय में 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल करने वाले व्यक्ति मिस्टरबीस्ट थे, जिन्होंने यह उपलब्धि 132 दिनों में हासिल की थी। फिलहाल, मिस्टरबीस्ट के यूट्यूब पर सबसे ज्यादा, 311 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। हालांकि, रोनाल्डो ने मिस्टरबीस्ट का रिकॉर्ड तोड़कर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। रोनाल्डो सोशल मीडिया पर भी अपनी बढ़त बनाए हुए हैं, जहां वह मशहूर एथलीट्स जैसे टॉम ब्रैडी (47 हजार) और अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी (2.5 मिलियन) से काफी आगे हैं। जबकि रोनाल्डो का यूट्यूब चैनल सुर्खियां बटोर रहा है, उनके अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी बड़ी संख्या में फैंस हैं। उनके फैंस ट्विटर पर 112.6 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन, और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन हैं। उनकी कुल सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या जल्द ही 1 अरब के आंकड़े को छूने वाली है, जो किसी भी एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार कहा था कि वह रिकॉर्ड्स का पीछा नहीं करते - बल्कि रिकॉर्ड्स उनका पीछा करते हैं। अब अपनी उसी कही गई बात को उन्होंने एक बार फिर से साबित कर दिया है।

चेन्नई सुपर किंग्स इन खिलाड़ियों को कर सकती है रिटेन, रहाणे-शार्दुल और चाहर को होगी छुट्टी!

नई दिल्ली (एजेंसी) । इसी साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी होनी है। हालांकि, अभी इसकी डेट सामने नहीं आई है। लेकिन कहा जा रहा है कि आयोजन दिसंबर महीने में किया जा सकता है। वहीं आईपीएल का आगामी सीजन पहले से ही काफी चर्चा में है। कहा जा रहा है कि, आईपीएल मेगा नीलामी 2025 को लेकर बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों को लेकर बातचीत जारी है और फाइनल नतीजा बोर्ड के द्वारा नीलामी से पहले बताया जाएगा।

बता दें कि, इस बार खिलाड़ियों को रिटेन करने को लेकर काफी बातें सामने आ रही हैं और कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई इसे 4 से बढ़ाकर 6 कर सकती है।

आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले अगर बोर्ड की तरफ से खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की जाती है तो इस कड़ी में चेन्नई सुपर किंग्स इस बार 4 नहीं बल्कि 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। चेन्नई के पास मौजूदा समय में 25 खिलाड़ी हैं जिसमें ओवरसीज खिलाड़ियों की संख्या 8 है जबकि 17 भारतीय खिलाड़ी हैं। जिसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। चेन्नई ऐसी टीम है जो अपने खिलाड़ियों पर भरोसा जताती है और उन्हें पूरी तरह से बैक करती है।

आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स जिन खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं उनमें पहला नाम टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का हो सकता है। गायकवाड़ को आईपीए 2024 से पहले एमएस धोनी की जगह टीम का कप्तान बनाया गया था। ऋतुराज ना सिर्फ एक अच्छे कप्तान हैं बल्कि शानदार बल्लेबाज भी हैं। इस लिस्ट में दूसरा नाम रविंद्र जडेजा का हो सकता है जो टीम के शानदार ऑलराउंडर हैं। हालांकि, जडेजा टी20 से संन्यास ले चुके हैं। जबकि तीसरा नाम शिवम दुबे का हो सकता है।

सीएसके के द्वारा जिन 6 खिलाड़ियों को रिटेन किए जाने की संभावना है उसमें चौथा नंबर मथीशा पथिराना हो सकते हैं जो कमाल के गेदंबाज हैं। पांचवें नंबर पर डेवोन कॉनवे हो सकते हैं जो शानदार बल्लेबाज हैं। इस लिस्ट में छठे नंबर पर दिग्गज एमएस धोनी हो सकते हैं। धोनी भी साफ कर चुके हैं कि वो भी रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या पर फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के बाद सीएसके की टीम पूरी तरह से बदली हुई नजर आएगी। एक तरफ जहां सीएसके ऋतुराज, धोनी, जडेजा, शिवम दुबे, डेवोन कॉन्वे और पथिराना जैसे खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। तो वहीं ये टीम कई खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है। इनमें अंजिक्य रहाणे, रचिन रविंद्र, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ी होंगे।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने विशेष कोष बनायेगा आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट को बचाये रखने के लिए प्रयास शुरु कर दिये हैं। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उसका साथ देने के लिए तैयार है। आईसीसी टेस्ट क्रिकेट को बनाये रखने के लिए 150 लाख अमेरिकी डॉलर का अलग से कोष तैयार करेगा। इससे इस प्रारुप में खेलने वाले खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा। खिलाड़ियों की मैच फीस भी बढ़ेगी। आईसीसी का मानना है कि इस प्रस्ताव से इन खिलाड़ियों को टी20 फ्रेंचाइजी लीग के आकर्षण से भी दूर रखा जा सकेगा। बीसीसीआई के सचिव जय शाह और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) भी इससे सहमत है। शाह के अगले आईसीसी अध्यक्ष बनने की दौड़ में होने से माना जा रहा है कि ये प्रस्ताव स्वीकार हो जाएगा। इस कोष से टेस्ट क्रिकेटर्स की न्यूनतम मैच फीस भी बढ़ जाएगी। इस कोष से विदेशी दौरों पर टीमों को भेजने में भी सहायता मिलेगी। इससे वेस्टइंडीज जैसे आर्थिक तौर पर कमजोर क्रिकेट बोर्ड को भी सहायता मिलेगी। अभी वेस्टइंडीज के क्रिकेट टेस्ट की उपेक्षा कर टी20 लीग के लिए जा रहे हैं। वहीं माना जा रहा है कि इस कोष के बनने के बाद सभी खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम भुगतान तय होगा ये लगभग 10000 डॉलर होगा। इसके अलावा यह उन देश के विदेशी दौरों का खर्च भी इस कोष से भुगतान किया जाएगा जो टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।'

वीर कवि नर्मद की 191वीं जयंती के शुभ अवसर पर वीर नर्मद विश्वविद्यालय का 55वां विशेष स्नातक समारोह शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुआ

सूरत । वीर कवि नर्मद की 191वीं जयंती के शुभ अवसर पर वीर नर्मद डॉ. गुजरात विश्वविद्यालय का 55वां विशेष स्नातक समारोह शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें 12 विषयों के 85 पाठ्यक्रमों के 39,666 युवा छात्रों को शिक्षा मंत्री, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा 42 पीएच.डी. तथा 4 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। पूर्व कुलपति प्रो.रमेशचंद्र कोठारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

विशेष रूप से, शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया ने स्नातक समारोह में एक छात्र के रूप में राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्होंने नर्मद यूनिवर्सिटी से एमए किया। (राजनीति विज्ञान) की दो वर्ष की बाह्य पढ़ाई के बाद परीक्षा उत्तीर्ण की।

सूर्यपुर संस्कृत पाठशाला के ऋषिकुमारों द्वारा शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और तैतरीय उपनिषद के श्लोकों के माध्यम से भारत की पारंपरिक संस्कृति की झलक के साथ समारोह का भव्य उद्घाटन आकर्षण का केंद्र बन गया।

शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने दीक्षांत भाषण देते हुए चनिमराम मेक ते ज्ञानज् कथन के माध्यम से युवाओं को भारतीय परंपरा से हटकर उच्च शैक्षणिक योग्यता प्राप्त कर समाज और देश के हित में सेवा करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने चविद्या विनायति शोभेज् कहावत का उदाहरण देकर छात्रों को विनम्र और विवेकशील बनने की सीख दी। भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा में भी ऋषि-मुनि अपने शिष्यों को उपदेश देते थे और अंत में च्सत्यं वद धर्मं चर स्वाध्यायन्म प्रमद:’ कहकर सत्य बोलने, धर्म का आचरण करने और पढ़ाई में आलस्य न करने का उपदेश देते थे .

उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि अच्छी तरह से शिक्षित होना ही पर्याप्त नहीं है, सक्षम और सुसंस्कृत होना भी जरूरी है, उन्होंने कहा कि किसी छात्र का मूल्यांकन केवल शारीरिक डिग्री के आधार पर नहीं किया जा सकता है। हमें मन, वचन और कर्म से परिष्कृत, शिक्षित होकर अर्जित ज्ञान का उपयोग लोगों की सेवा और कल्याण के लिए करना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत राज्य सरकार ने 6वीं से 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में ‘श्रीमद्भगवत गीता’ को शामिल किया है और जीवन मूल्यों का पाठ पढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मानवता के दृष्टिकोण से प्राप्त की गई शिक्षा ही देश की प्रगति का आधार है, भारतीय संस्कृति में ज्ञान की पूजा की जाती है और इसमें सबका भला करने की भावना होती है। यह ज्ञान ही है जो प्रेम, सद्भावना और करुणा पैदा करता है, साथ ही च्एक भारत, श्रेष्ठ भारतज् के निर्माण की दिशा में एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान करता है।

नर्मद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति और वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड रिसर्च (यूनिवर्सिटी फॉर इनोवेशन-गांधीनगर) के लोकायुक्त के पद पर कार्यरत प्रो. रमेशचंद्र कोठारी ने अपने प्रेरक भाषण में कहा कि आधुनिक समय में रचनात्मक और आलोचनात्मक के साथ अनुभवात्मक शिक्षा प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। सोच। उन्होंने कॉलेज शिक्षा के माध्यम से प्राप्त ज्ञान को न केवल आत्म-सुधार बल्कि लोक कल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए भी उपयोगी बनाकर देश के विकास में योगदान देने को कहा।

उन्होंने कहा कि गुजरात के विद्यार्थियों का विज्ञान के प्रति रुझान बढ़ाना जरूरी है। समाज-राज्य और राष्ट्र को युवाओं से बड़ी उम्मीदें हैं। निरंतर अध्ययन से युवाओं के करियर को चमकाने का पुरुषार्थ ही उसे सफलता के शिखर पर ले जाएगा। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान को सदैव ताजा रखना चाहिए, अपने दिमाग को लगातार तरोताजा रखना चाहिए। उन्होंने स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में करियर बनाने के लिए पढ़ाई के अलावा पढ़ना-लिखना भी बहुत जरूरी है।

चांसलर डॉ. के.एन. ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए बधाई दी। चावड़ा ने उपस्थित युवाओं से नई चुनौतियों के लिए तैयार रहने तथा समाज एवं देश हित में कार्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने छात्रों से हमारी गौरवशाली वैदिक विरासत का अनुसरण करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्हें तैयार करके एक बेहतर राज्य और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने की वकालत की। उन्होंने विस्तार से बताया कि इन सभी डिग्रियों को भारत सरकार के एनएडी-नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी के साथ-साथ डिजीलॉकर में अपलोड किया गया है और कहा कि विश्वविद्यालय ने पारदर्शी शिक्षा प्रक्रिया और प्रबंधन के साथ शिक्षा जगत में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

“आव्या 2.0” एक्ज़ीबिशन में उमड़ी भीड़

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा आयोजित “आव्या 2.0” वेडिंग एक्ज़ीबिशन के अंतिम दिन महिलाओं की भरी भीड़ उमड़ी। महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया गोयल ने बताया कि शुक्रवार से चल रहे मेले में महिलाओं ने डिज़ाइनर ज्वेलरी, डिज़ाइनर कपड़े, होम डेकॉर सहित शादी के लिए अनेकों सामान की खरीदारी की। मेलें में आगामी त्यौहार को देखते हुए कपड़ों और गहनों की नयी नयी डिजायन देखने को मिली। मेलें में देश एवं विदेश के अनेकों शहरों के उधमियों ने हिस्सा लिया एवं सभी की स्टॉल पर भरी भीड़ रहीं। सभी दर्शकों ने मेले को काफी सराया। मेले में सुबह से ही भीड़ रही जो देर शाम तक रही।

डिंडोली के दीप दर्शन विद्या संकुल में भव्य कृष्ण जन्मोत्सव समारोह

सुरत भुमि, सूरत।

डिंडोली के दीप दर्शन विद्या संकुल में भगवान कृष्ण के दिव्य चरित्रों के मूल्यों और परिचितता को विकसित करने और बच्चों की अव्यक्त ऊर्जा को विकसित करने के नेक इरादे से हर भारतीय त्योहार को भव्यता से मनाता है। इस बार विद्यार्थियों द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव बहुत सुंदर ढंग से मनाया गया। जिसमें बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया। विभिन्न चार कृष्ण भक्ति नृत्य (नृत्य) प्रस्तुत किए गए, बाल गोपाल का पंचोपचार पूजन, आरती, थाला, हलार्दु और 56 भोग का प्रसाद आदि अपनी कृष्ण भक्ति के साथ जन्माष्टमी मनाई गई। कार्यक्रम के अंत में गोविंदाओ द्वारा लेज़ीम डांस, मटकी (दही हांडी) का भी आनंद लिया गया।

पूरी योजना कॉमर्स के छात्रों, हेड बॉय, हेड गर्ल और प्रत्येक सदन के कप्तान और उप कप्तान द्वारा की गई थी। इस अवसर पर डिंडोली क्षेत्र की कॉर्पोरेटर श्रीमती निराला बेन राजपूत, ड्रीम विलेज सोसायटी के अध्यक्ष श्री धनराजभाई नागाड, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के ट्रस्टी श्री सवजीभाई पटेल, दशरथभाई पटेल, तुषारभाई पटेल और प्राचार्य श्री भावेश आर जोशी ने सभी छात्रों और शिक्षकों को एक सुंदर कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी और उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

कृष्ण जन्माष्टमी पर्व का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। जहांगीरपुरा, दांडी रोड स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यन्त उल्लास और आनंद के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्कूल के सभी विद्यार्थियों और अध्यापिकाओं ने पारम्परिक वेशभूषा और परिधान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गीत, नृत्य, नाटिका आदि के मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के छात्रों द्वारा माखन मटकी फोड़ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल मैनेजमेंट ट्रस्टी अशोक टिबड़ेवाल, श्याम गुप्ता, अजय अग्रवाल, राजीव गुप्ता एवं नरेश गुप्ता उपस्थित रहें।

एलपी सवाणी अकादमी में पहली बार सिनेर्जिया इंटर-स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

सूरत।

सूरत- एलपी सवाणी अकादमी, वेसू में पहली बार सिनर्जिया इंटर-स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल, बास्केटबॉल और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भगवान महावीर इंटरनेशनल, हिल्स हाई स्कूल, लांसर्स आर्मी रिलायंस फाउंडेशन, रयान इंटरनेशनल, एसडी जैन स्कूल, एस. बी. आर. माहेश्वरी विद्यापीठ विब्योर हाई स्कूल, एल. पी. सवाणी इंटरनेशनल पाल एल.पी. सवाणी विद्या भवन अडाजण स्कूल के लगभग 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित पटेल, जो वर्तमान में सूरत शहर के सभी स्कूलों के शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं। हमारे साथ जुड़ रहे हैं हमारे वाइस चेयरमैन डॉ. मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सवानी एवं निदेशक श्रीमती पूर्वी सवानी रहे तथा खेल के रेफरी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

वेसू एकेडमी के प्रिंसिपल एल.पी.सवानी और उनकी टीम का लक्ष्य छात्रों में टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना जैसे मूल्यों को विकसित करना है ताकि प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को विभिन्न स्कूलों के साथ-साथ अपने खेल प्रदर्शन के माध्यम से अपनी प्रतिभा कौशल को निखारने का अवसर मिल सके के छात्रों के बीच एकता और सहयोग की भावना को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था।

श्री स्वामीनारायण अकादमी में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य उत्सव

सूरत। अडाजण में स्थित श्री स्वामीनारायण अकादमी शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति का एक आदर्श मिश्रण है। विद्यालय पिछले 25 वर्षों से लगातार विद्यार्थियों में न केवल शिक्षा बल्कि संस्कृति, सभ्यता, राष्ट्रीय भावना, आध्यात्मिकता का भी संचार कर रहा है। 24/8/2024 शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव मनाया गया। सभी बच्चे पारंपरिक पोशाक पहने हुए थे और अधिकांश बच्चे कृष्ण और राधा की वेशभूषा में थे। वैदिक रीति-रिवाज से कन्या पूजन, आरती के बाद दही हांडी कार्यक्रम बेहद सफल रहा। बच्चों द्वारा कीर्तन, भजन, नृत्य आदि सांस्कृतिक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गई। इस उत्सव में इश्कोन वराछा मंदिर के अध्यक्ष श्री मूर्तिमान दास ने स्कूल का दौरा किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया। पूरा कार्यक्रम यूट्यूब पर लाइव था. सभी अभिभावक मित्रों को लिंक भेज दिया गया है। सभी माता-पिता एवं मित्रगण भी घर से ऑनलाइन जुड़े और श्री कृष्ण जन्मोत्सव को देखने एवं सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त किया। हरिद्वार गंगाघाट से परम पूज्य शास्त्री स्वामी श्री हरिवल्लभ दास जी ने सभी को आशीर्वाद दिया। विद्यालय प्रबंधक श्री दिनेशभाई गोंडलिया ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को जन्माष्टमी महापर्व पर शुभकामनाएँ व्यक्त की हैं।

सोनी मैक्स रच रहा है नया इतिहास; साबिर खान की सुपर नेचरल थ्रिलर ‘अद्भुत’ होगी टेलीविज़न पर रिलीज़

शैतान, स्त्री 2 और मुंज्या जैसी हालिया हॉरर-सुपर नेचरल फिल्मों की अपार- बॉक्सऑफिस सफलता के बाद, सोनी मैक्स अपने आगामी सुपर नेचरल थ्रिलर, ‘अद्भुत’ के साथ एक नया इतिहास रचने जा रहा है। यह एक डायरेक्ट-टू-टीवी रिलीज़ है, जो बॉलीवुड में एक नए युग की शुरुआत करेगी।‘अद्भुत’ 15 सितंबर, 2024 को रात 8 बजे सोनी मैक्स पर रिलीज़ होगी।

‘अद्भुत’ का निर्देशन साबिर खान द्वारा किया गया है, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी, डायना पेंटी, श्रेया धनवंतरी और रोहन मेहरा जैसे नामचीन कलाकार अभिनय कर रहे हैं। रोमांचक अनुभव प्रदान करने के वादे के साथ, ‘अद्भुत’ देशभर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी।

साबिरखान, डायरेक्टर, अद्भुत, ने कहा,"भारत में टेलीविज़न, लंबे समय से एक सशक्त माध्यम रहा है, जिससे हर दिन लाखों घर जुड़ते हैं। ‘अद्भुत’ के साथ, हम टेलीविज़न पर सिर्फ एक फिल्म ही रिलीज़ नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम एक साथ, एक ही समय पर करोड़ों घरों में अपनी पहुँच भी स्थापित कर रहे हैं। इस नए कदम के रूप में हम एक नया इतिहास रच रहे हैं, जो बताता है कि दर्शक हमारे लिए हमेशा ही पहले स्थान पर हैं।"

फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकीने कहा,"'अद्भुत' एक ऐसी फिल्म है, जो अपनी कहानी और इसे साझा करने के तरीके दोनों से परे है। यह देखना वास्तव में रोमांचक है कि कोई फिल्म टेलीविज़न पर रिलीज़ के माध्यम से एक साथ लाखों लोगों तक पहुँच रही है। सुपर नेचरल स्टाइल मुझे हमेशा से ही आकर्षित करता रहा है और मेरा मानना है कि दर्शकों को भी यह फिल्म रोमांच से भर देगी। इस डायरेक्ट-टू-टीवी रिलीज़ के साथ, हम एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं, और मुझे गर्व है कि मैं भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा हूँ।"

उदयन प्रदीप शुक्ला, हेड- प्रोग्रामिंग और ऑन एयर प्रमोशन, सोनी मैक्स, ने कहा,"तेजी से बदलती दुनिया में, नवाचारऔरस्वीकरणका बहुत महत्व है। सोनी मैक्स ओरिजिनल रिलीज़: ‘अद्भुत’ हमारे दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है कि गुणवत्तापूर्ण कॉन्टेंट सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। टेलीविज़न की व्यापक पहुँच सोनी मैक्स पर इस तरह की शानदार पहल के लिए इसे एक आदर्श मंच बनाती है।"

बजाज आलियांज लाइफ ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मजबूत की वृद्धि की राह

पुणे ।

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने अपने सभी वितरण चैनलों की शानदार वृद्धि के दम पर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। इसके कारण कंपनी का इंडिविजुअल रेटेड न्यू बिजनेस (आईआरएनबी) 26% बढ़कर 1,294 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 1,028 करोड़ रुपये था।

बजाज आलियांज लाइफ अपने वितरण चैनलों में रणनीतिक निवेश करना जारी रखती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह देश भर में अपने ग्राहकों के लिए मौजूद है और उनके जीवन लक्ष्यों को सहज तरीके से पूरा कर सके। तिमाही के लिए इसके व्यावसायिक चैनल एजेंसी, संस्थागत व्यवसाय और मालिकाना बिक्री बल ने क्रमश: 15%, 27% और 75% की आईआरएनबी वृद्धि दर्ज करके इसकी वृद्धि को बढ़ावा दिया (Q1FY24 की तुलना में)।

कंपनी द्वारा हासिल की गई वृद्धि पर टिप्पणी करते हुए बजाज आलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ तरुण चुघ ने कहा, “देश भर में अपने सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होने को सुनिश्चित करने पर हमारा ध्यान केंद्रित है, हमने रणनीतिक तरीके से अपनी उपस्थिति बढ़ाने की यात्रा शुरू की है। आज, 545 से अधिक शाखाओं, 1.53 लाख एजेंटों, 35 विश्वसनीय बैंक साझेदारियों, 25 हजार कर्मचारियों और एक मजबूत डिजिटल उपस्थिति के साथ, हम मौजूदा और नए ग्राहकों तक प्रभावी तरीके से पहुंच रहे हैं। न केवल घरेलू ग्राहक, बल्कि एनआरआई भी हमारी उपस्थिति से प्रभावी रूप से लाभ उठा रहे हैं। हम अपने सभी हितधारकों की खुशी के लिए अपनी भागीदारी और उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखेंगे, क्योंकि हम इस वर्ष नियामक परिवर्तनों और स्वस्थ आर्थिक वातावरण के साथ आगे बढ़ रहे हैं।”

वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के प्रमुख आंकड़े:

क व्यक्तिगत रेटेड नया व्यवसाय (आईआरएनबी) 26% बढ़कर रू1,294 करोड़ पर पहुंच गया, जो कि वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में रू1,028 करोड़ था

क सकल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) में 24% की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में रू4,058 करोड़ की तुलना में रू5,018 करोड़ पर पहुंच गया

क कर के बाद लाभ (पीएटी) रू97 करोड़ पर रिपोर्ट किया गया

· नया व्यवसाय मूल्य (एनबीवी) वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में रू94 करोड़ से 11% बढ़कर रू104 करोड़ हो गया।

· प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 23% बढ़कर कुल रू116,966 करोड़ हो गई

कआईआरएनबी आधार पर निजी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 9.0% हो गई

बजाज आलियांज लाइफ उत्पाद नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी, और इन व्यावसायिक मापदंडों में अपने निवेश को जारी रखेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)